



आज पंचतत्व में विलीन होंगे सीएम यादव के पिता

उज्जैन पहुंचेंगे पक्ष-विपक्ष के नेता

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के पिता पूनमचंद यादव का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा। अंतिम यात्रा में सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के नेता भी शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सावित्री ठाकुर, दुर्गादास उईक, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक और कांग्रेस नेता समेत प्रदेश के कई बड़े अधिकारी उज्जैन पहुंच रहे हैं। इसके अलावा उज्जैन और आसपास के इलाके से भी बड़ी संख्या में लोग पूनम चंद यादव को श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे।



दरअसल, सीएम मोहन यादव के पिता पूनमचंद यादव का मंगलवार रात को निधन हो गया था। वे 100 साल थे और पिछले करीब एक सप्ताह से अस्वस्थ थे। उनका उज्जैन के प्रींगंज स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनकी अस्वस्थता को देखते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री और उनके बेटे डॉक्टर मोहन यादव भी हाल ही में उनसे मिलने अस्पताल पहुंचे थे। सोमवार को बाबा महाकाल की शाही सवारी में शामिल होने आए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके बेटे महाआर्यमन भी अस्पताल पहुंचकर उनकी कुशलक्षेम पूछी थी। जानकारी के अनुसार पूनमचंद यादव की अंतिम यात्रा आज बुधवार को सुबह 11.30 बजे उनके निवास गीता कॉलोनी, अब्दालपुरा, उज्जैन से शुरू होगी। उनका अंतिम संस्कार शिप्रा तट भूखीमत मंदिर के पास होगा। पिता के निधन की सूचना मिलने पर सीएम यादव मंगलवार रात को ही उज्जैन पहुंच गए थे। स्वर्गीय पूनमचंद यादव को आखिरी नमन करने और उनकी अंतिम यात्रा में हजारों लोगों की भीड़ शामिल होगी।

पक्ष-विपक्ष के नेताओं ने दी श्रद्धांजलि: सीएम यादव के पिता पूनमचंद के निधन की जानकारी सामने आते ही पूरे प्रदेश में शोक की लहर दौड़ गई। पक्ष और विपक्ष के

नेताओं ने उनके निधन पर दुःख जताया। प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने लिखा- मोहन यादव जी के पूज्य पिता जी के निधन का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। बाबा महाकाल दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे और शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति दे।

जीवन की अपूरणीय क्षति: केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान कहा- %सिर से पिता का साया उठ जाना जीवन की अपूरणीय क्षति है। पूज्य पिताजी भले ही भौतिक रूप से साथ नहीं हैं, लेकिन उनके आशीर्वाद की छांव सदैव आपके साथ है।

समाचार अत्यंत दुःखद: मप्र के पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा- पूनमचंद यादव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें और परिवार को यह दुःख सहन करने के शक्ति प्रदान करें। **एक बेटे के जीवन का सबसे बड़ा वज्रपात:** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पूज्य पिताजी पूनमचंद यादव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। पिता का साया सिर से उठना एक पुत्र पर उसके जीवन का सबसे बड़ा वज्रपात होता है। इस खालीपन को कभी भरा नहीं जा सकता।

एटलस साइकिल के पूर्व अध्यक्ष ने की खुदकुशी, घर में खुद को मारी गोली

नई दिल्ली। एटलस साइकिल के पूर्व अध्यक्ष सलिल कपूर ने मंगलवार को डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम लेन स्थित अपने आवास पर आत्महत्या कर ली है। दिल्ली पुलिस ने जानकारी दी कि सलिल ने अपने घर में खुद को गोली मारकर खुदकुशी की है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। इसमें कुछ लोगों पर उचीड़न का आरोप लगाया गया है। सलिल कपूर के शव को पुलिस ने कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने आत्महत्या की घात में मामला दर्ज कर जांच में जुट गई है। सलिल कपूर को 2015 में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने नौ करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर धोखाधड़ी के दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए थे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सलिल कपूर ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से अपने सिर में गोली मार ली। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से बरामद एक नोट में एटलस साइकिल्स के पूर्व अध्यक्ष ने अपने ऊपर वित्तीय बोझ का जिक्र किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कपूर की पत्नी और तीन बच्चे अलग रह रहे हैं। कपूर के मैनजर और उनका परिवार तीन मंजिला इमारत में उनके साथ रहता था। उन्होंने बताया कि कपूर को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक और अन्य टीम को मौके से सबूत जुटाने के लिए बुलाया गया। कपूर अभी एटलस लैबोरेटरीज एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर थे। सलिल के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने तब 25,000 रुपये का इनाम घोषित किया था। सलिल कपूर की रिश्तेदार नताशा कपूर ने भी जनवरी 2020 में उसी घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली थी। नताशा ने एक नोट में परिवार के सदस्यों से अपना खयाल रखने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने यह कदम उठाने के पीछे का कारण नहीं बताया था।

फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट: देश में 185 लोग ऐसे जिनकी नेटवर्थ 8,400 करोड़ रुपए से ज्यादा

नई दिल्ली। भारत की इकॉनमी दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही है। इसके साथ ही देश में अमीरों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस समय देश में 185 ऐसे लोग हैं जिनकी नेटवर्थ एक अरब डॉलर यानी करीब 8,400 करोड़ रुपये से अधिक है। इन लोगों की कुल नेटवर्थ एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा पहुंच चुकी है। पिछले तीन साल में देश में ऐसे रईसों की वेल्थ में 50ब तेजी आई है। फॉर्च्यून इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक देश के 185 बिलियनेयर्स की कुल नेटवर्थ 1.19 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 99.96 लाख करोड़ रुपये पहुंच चुकी है। साल 2022 के मुकाबले इसमें 832 अरब डॉलर की तेजी आई है। इस दौरान बिलियनेयर्स की संख्या भी



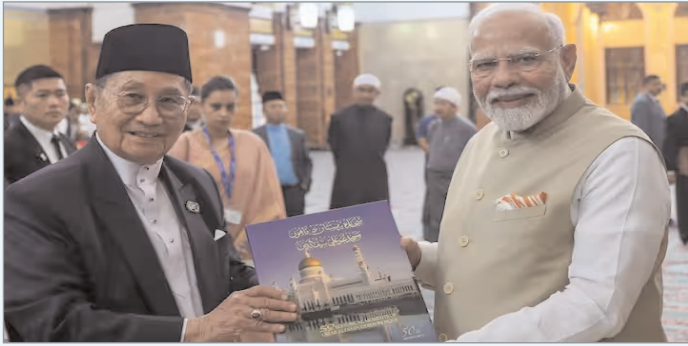
142 से बढ़कर 185 पहुंच गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इन रईसों की टोटल वेल्थ देश की नॉमिनल जीडीपी के 33.81 फीसदी के बराबर है। इस साल की लिस्ट में 29 नए नाम जुड़े हैं। इनमें जोहो कॉरपोरेशन के श्रीधर वेंबू, शेखर वेंबू और राधा वेंबू शामिल हैं। अग्रवाल कोल कॉरपोरेशन के विनोद कुमार अग्रवाल, अपर

इंडस्ट्रीज के कुशल नरेंद्र देसाई और चैतन्य नरेंद्र देसाई, श्याम मेटालिक्स एंड एनर्जी के महावीर प्रसाद अग्रवाल और बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल के शिव रतन अग्रवाल और दीपक अग्रवाल को भी इस लिस्ट में जगह मिली है। **मुकेश अंबानी सहित ये है टॉप पर:** देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस

इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 125.15 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ इस लिस्ट में टॉप पर हैं। गौतम अडानी 123.9 अरब डॉलर की वेल्थ के साथ दूसरे नंबर पर हैं। शापूजी मिरजी और उनका परिवार 43.47 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर है। सावित्री जिंदल 33.06 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ देश की सबसे अमीर महिला हैं। इनके बाद शिव नाडर (32.85 अरब डॉलर), राधाकिशन दमानी (30.31 अरब डॉलर), दिलीप सांघवी एंड फैमिली (27.64 अरब डॉलर), सुनील बी मित्तल एंड फैमिली (27.54 अरब डॉलर), अजीम प्रेमजी (24.18 अरब डॉलर) और आदि गोदरेज एंड फैमिली (20.76 अरब डॉलर) का नंबर है।

बुनेई में उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद में हुआ मोदी का स्वागत

बंदर सेरी बेगवान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के दौर पर हैं। अपनी यात्रा के पहले दिन मंगलवार को उन्होंने बुनेई के बंदर सेरी बेगवान में स्थित ऐतिहासिक उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद का दौरा किया है। वहां पहुंचने पर उनका स्वागत बुनेई के धार्मिक मामलों के मंत्री पेहिन दातो उस्ताज हाजी अवांग बदरुद्दीन ने किया। उनके साथ बुनेई के स्वास्थ्य मंत्री हाजी मोहम्मद इशाम भी थे। वहां भारतीय समुदाय के लोग भी मौजूद थे जिन्होंने पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को ही बुनेई में भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी परिसर का भी उद्घाटन किया और इसे दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का संकेत बताया। दो देशों की यात्रा के पहले चरण में मंगलवार को बुनेई पहुंचे मोदी बुनेई की द्विपक्षीय यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी परिसर का उद्घाटन करके प्रसन्न हूँ। यह बुनेई दारुस्सलाम के साथ हमारे मजबूत संबंधों का संकेत है। यह भारतीय मूल के लोगों की भी सेवा



करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-बुनेई संबंधों को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री ने बंदर सेरी बेगवान में भारतीय उच्चायोग के चांसरी (उच्चायोग का एक हिस्सा) भवन का उद्घाटन किया और एक स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। विदेश मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस अवसर पर मोदी ने दीप प्रज्वलित किया तथा पट्टिका का अनावरण किया।

इस्लामी आस्था का प्रतीक है यह मस्जिद: यह ऐतिहासिक मस्जिद बुनेई के 28वें सुल्तान उमर अली सैफुद्दीन

तृतीय के नाम पर बनी है। उमर अली सैफुद्दीन तृतीय मौजूदा सुल्तान के पिता थे, जिन्होंने इस मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू करवाया था और यह 1958 में बनकर तैयार हुआ था। यह मस्जिद बुनेई में इस्लामी आस्था का प्रतीक केंद्र है। यह आधुनिक इस्लामी वास्तुकला का भी एक उत्तम नमूना है। ये मस्जिद मुगल वास्तुकला और मलय शैलियों का मिश्रण है और इसका डिजाइन वास्तुकार और मूर्तिकार रुडोल्फो नोली ने तैयार किया था।

शुद्ध सोने से ढंका हुआ है मुख्य गुंबद: मस्जिद की सबसे अलग और

बड़ी विशेषता इसका मुख्य गुंबद है, जो शुद्ध सोने से ढंका हुआ है। मस्जिद 52 मीटर ऊंची है और इसे बंदर सेरी बेगवान में लगभग कहीं से भी देखा जा सकता है। बुनेई नदी के तट पर कम्पोंग आयर में एक कृत्रिम लैगून में इसका निर्माण किया गया है। इस मस्जिद में संगमरमर की मीनारें और सुनहरे गुंबद हैं। एक आंगन है और यह बड़ी संख्या में पेड़ों और फूलों के बगीचों से घिरा हुआ है। एक पुल लैगून के पार नदी के बीच में कम्पोंग आयर तक जाता है।

एक साथ 30 हजार लोगों के बैठने की क्षमता: मॉस्कपीडिया के मुताबिक, इस मस्जिद का अंदरूनी हिस्सा सिर्फ नमाज पढ़ने के लिए है, जिसमें रंगीन कांच की खिड़कियां, मेहराब, अर्ध-गुंबद और संगमरमर के स्तंभ जैसी विशेषताएं हैं। इस मस्जिद के निर्माण में इस्तेमाल की गई लगभग सभी सामग्री विदेशों से आयात की गई थी। मसलन, इटली से संगमरमर, शंघाई से ग्रेनाइट, इंग्लैंड से क्रिस्टल झूमर और सऊदी अरब से कालीन मंगाए गए थे। इस मस्जिद में एक मुख्य गुंबद है और 10 मीनारें हैं। यहां एक साथ 30000 लोग आ सकते हैं।

महेश्वर में होगी मप्र सरकार की अगली कैबिनेट की बैठक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्या देवी के 300वें जन्मोत्सव वर्ष पर लोकमाता के जन-कल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। सुशासन के साथ राष्ट्र के सांस्कृतिक गौरव की वृद्धि के लिए लोकमाता अहिल्या देवी के योगदान का राज्य मंत्रि-परिषद की बैठक में स्मरण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट की औपचारिक बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि मंत्रि-परिषद की आगामी बैठक खरगोन जिले के महेश्वर में रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकमाता अहिल्या देवी के कार्यों से देशवासियों को परिचित कराने के लिए विविध आयोजन किए जाएंगे। लोकमाता अहिल्या देवी ने राजकोष के



अलावा स्वयं के कोष से जन-कल्याण के कार्यों को मूर्त रूप दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने होल्कर परिवार के न्यास (खासगी ट्रस्ट) की व्यवस्था द्वारा पति की ओर से पत्नी को आय का 25 प्रतिशत अंश प्रदान करने की परम्परा की जानकारी भी दी। लोकमाता अहिल्या देवी ने निजी राशि से देश के अनेक स्थानों में मंदिरों के निर्माण और सार्वजनिक सुविधाओं के विस्तार के कार्य किए। मध्यप्रदेश सरकार

ने 14 सदस्यीय समिति गठित की है, जो अहिल्या देवी की जन-कल्याण की भावना के साथ आत्म-निर्भर बनाने के उनके प्रयत्नों को व्यवहार में परिणित करने के संबंध में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय करेगी। संस्कृति विभाग और अन्य विभागों की भागीदारी से सांस्कृतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के आयोजन की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

अवश्यकता है

इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।

डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फ़ीमेल) एवं हेल्पर्स की अवश्यकता हैं

डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम

डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़

रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे



9755996590

सिंगल कॉलम

एसएफ के जवान बनकर दो लोगो ने होटल में युवक-युवती के साथ की लूट

इंदौर। इंदौर के खजराना में एसएफ के जवान बनकर दो लोगो ने होटल से एक युवक युवती को लूट लिया। दोनो पीछा करते हुए पहुंचे थे। होटल मालिक से मिली सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। सीसीटीवी से दोनो की तलाश की जा रही है। खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना ओरो होटल की है। यहां पर एसएफ के जवानो ने मंगलवार अभय मनोरी और जितेन्द्र कुशवा रात 9 बजे के लगभग एक युवक युवती को लूट लिया। बताया जाता है कि दोनो यहां उनका पीछा करते हुए पहुंचे। उनसे रूपए की मांग करने लगे। इस दौरान दोनो ने मोबाइल में करीब ढाई हजार रूपए ट्रांसफर कराए। दोनो डरा धमकाकर यहां से चले गए। होटल मालिक के साथ युवक युवती ने पुलिस को सूचना दी। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनो जवानो की पहचान की है। मामले में केस दर्ज किया जा रहा है।

सुबह से छाए बादल दोपहर में बरसे, दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

इंदौर। इंदौर में मंगलवार को सुबह से छाप बादल दोपहर 3 बजे बाद बरस पड़े। मौसम वैज्ञानिकों ने मंगलवार को इंदौर और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद बारिश के आसार जताए थे। सीनियर मौसम वैज्ञानिक वीएस यादव के मुताबिक अभी तीव्र निम्न दाब क्षेत्र एक्टिव है। मानसून ट्रफ प्रदेश के रायसेन, छिंदवाड़ा से गुजर रही है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी बनी हुई है। इस कारणा प्रदेश में तेज बारिश हो रही है। अगले 2 दिन यह सिस्टम एक्टिव रहेगा। मंगलवार के बाद सिस्टम आगे बढ़ जाएगा। इससे पहले सोमवार को सुबह से मौसम साफ रहा और धूप भी खिली रही। दोपहर में कुछ देर बादल छापे। इस दौरान कहीं फुहारें, कहीं बूंदबांदी तो कहीं रिमझिम हुई और फिर धूप खिल गई। यह सिलसिला शाम तक जारी रहा। रविवार को दिन का तापमान 30.2 (+1) डिग्री और 22.4 (+1) डिग्री सेल्सियस था। इस दौरान दिनभर में 23.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई थी। सोमवार को दिन का तापमान 1 डिग्री लुइककर 29.1 (0) डिग्री पर आ गया। रात के तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हुआ और 23.6 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस दौरान दिनभर में 8.7 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। अभी तक इस सीजन की बारिश 31 इंच के करीब हुई है।

सोयाबीन की फसल लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे किसान दिखाई खराब फसल

इंदौर। अत्यधिक बारिश और मौसम की मार से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। तेज बारिश से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। इंदौर और इसके आसपास के इलाकों में अधिकांश किसान आलू और सोयाबीन की फसल लगाते है। इस बार उनकी फसलें खराब हो गई हैं। मंगलवार को बड़ी संख्या में किसान कलेक्टर खराब फसलों के हिस्सों को फसल को लेकर कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने फसलों का सर्वे और मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। किसानों के साथ में कांग्रेस के नेता भी थे। किसानों ने एडीएम गौरव बैनल को फसल को दिखाई और जल्द से जल्द सर्वे करके सरकार से मुआवजा दिलाने की मांग की है। कांग्रेस नेताओं ने भी सोयाबीन के दाम कम होने पर सरकार को घेरा। एडीएम ने किसानों को आश्वासत किया कि जल्द उनके खेतों का सर्वे किया जाएगा और उचित मुआवजा दिलाया जाएगा। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर समय पर उचित मुआवजा नहीं मिला तो वे सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करेंगे।

खजराना फ्लाईओवर का एक हिस्सा तैयार, फिर भी ट्रैफिक के लिए नहीं खोला

इंदौर। इंदौर का खजराना फ्लाईओवर अब तक शुरू नहीं हो पाया है, जबकि इसकी एक भुजा पर यातायात इंदौर विकास प्राधिकरण ने 15 अगस्त तक शुरू करने की घोषणा की थी। इस हिस्से का लोड टेस्ट भी हो चुका है, लेकिन अब अक्टूबर में दोनो भुजाएं बनने के बाद एक साथ ब्रिज का लोकार्पण किया जाएगा। इस कारण अभी अफसर भी रुको और देखो की रणनीति अपना रहे है। दूसरी भुजा का निर्माण पूरा होने में दो माह का समय लग सकता है। यह फ्लाईओवर खजराना ब्रिज पर बन रहा है, जो शहर के व्यस्त चौराहों में से एक है। इस चौराहे के समीप इंदौर का प्रसिद्ध खजराना मंदिर भी है। गणेश चतुर्थी के दिन मंदिर में दो लाख से अधिक भक्त दर्शन के लिए आते है। उन्हें निर्माणाधीन ब्रिज और चौराहे पर हुए गड्ढों के कारण परेशान होना पड़ सकता है। यदि ब्रिज की एक भुजा शुरू हो जाती तो ट्रैफिक में आसानी हो सकती थी, लेकिन लोकार्पण के चक्कर में ब्रिज को ट्रैफिक के लिए खोला जाना टाला जा रहा है। इस ब्रिज का निर्माण प्राधिकरण 50 करोड़ की लागत से कर रहा है। ब्रिज के बीच से मेट्रो का ट्रैक बनेगा। ब्रिज के बारे में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यालन अधिकारी आरपी अहिरवार ने कहा कि ब्रिज की दूसरी भूजा भी तैयार होने वाली है। जल्दी ही ब्रिज का लोकार्पण किया जाएगा।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन के लिए मप्र सरकार खर्च करेगी 10% राशि

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर और मनमाड़ के बीच नई रेल लाइन शुरू की जा रही है। इससे मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में हजारों करोड़ का निवेश आएगा। यह बात रेल मंत्री अश्विनी वैष्णवी ने इंदौर में पत्रकारों से वर्चुअल बातचीत की दौरान कही। इस दौरान ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री मोहन यादव समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता मौजूद रहे। सीएम मोहन यादव ने कहा कि यह रेल नहीं, आदिवासियों के लिए विकास लाइन है। रेलवे ट्रैक नहीं होने से आजादी के कारण यहां से बड़ी संख्या में आदिवासियों का पलायन हुआ है। यह रुक जाएगा। उन्होंने कहा कि ये त्यंबकेश्वर से महाकालेश्वर को जोड़ने वाला रास्ता है। इससे माइनिंग से मिलेट्स, नासिक के प्याज, मालवा के आलू को बड़ा मार्केट मिलेगा। लॉजिस्टिक हब भी विकसित होगा। चार जगह रेलवे गोदाम बनेंगे। दो रेल गोदाम इंदौर के पास कैलोद और धार जिले के ग्यासपुरखेड़ी में जबकि दो महाराष्ट्र के न्यू धुले और मालेगांव में बनेंगे। इस ट्रैक का फ्रेंट कॉरिडोर की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकेगा।

प्रोजेक्ट की लागत 18036 करोड़ रुपए है। मध्यप्रदेश में 13628 करोड़ रुपए जबकि महाराष्ट्र में 4408 करोड़ रुपए का खर्च होगा। प्रदेश के हिस्से के खर्च में 10तब यानी 1,362.80 करोड़ रुपए मध्यप्रदेश सरकार वहन करेगी। बाकी केंद्र सरकार देगी। महाराष्ट्र सरकार का योगदान नहीं रहेगा।

एमपी में 18 और महाराष्ट्र में 16 रेलवे स्टेशन होंगे

इंदौर से मनमाड़ तक कुल 34 रेलवे स्टेशन इस लाइन पर आएंगे। इमें से 30 नए बनेंगे जबकि चार पहले से हैं।

मध्यप्रदेश में 17 नए स्टेशन मिलाकर



कुल 18 रेलवे स्टेशन होंगे। इंदौर की तरफ से देखें तो महु (पहले से है), कैलोद, कमदपुर, झाड़ी बरोदा, सराय तालाब, नीमगढ़, चिक्त्त्या बड़, ग्यासपुरखेड़ी, कोठड़ा, जरवाह, अजंदी, बघाड़ी, कुसमारी, जुलवानिया, सली कलां, वनिहार, बवादड़ और मालवा स्टेशन महाराष्ट्र बॉर्डर पर बनेगा। महाराष्ट्र में 16 स्टेशन होंगे, जिसमें से तीन पहले से बने हुए हैं। ये स्टेशन सांगवी, लोकी, शिरपुर, दभाक्षी, नदना (पहले से है), न्यू धुले (पहले से है), कस्बे ललिंगनान, पूरमपेड़ा, झांझ, छीकाहोल, मालेगांव, यसगांव बीके, मेहुन, चोंधी, खटगांव और मनमाड़ (पहले से है) होंगे।

30 लाख की आबादी को होगा फायदा अश्विनी वैष्णव ने कहा की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रि-मंडलीय समिति

(सीसीई) ने रेल मंत्रालय के तहत नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दी है। इंदौर और मनमाड़ के बीच प्रस्तावित यह नई रेल लाइन सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी। यह नए भारत की कल्पना के अनुरूप है, जो क्षेत्र के व्यापक विकास के साथ ही लोगों को आत्म-निर्भर बनाएगी। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम है, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध सम्पर्क प्रदान करेगा।

परियोजना महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी, जिससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की वृद्धि होगी। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1 हजार गांवों और लगभग 30 लाख

आबादी को सीधा लाभ मिलेगा।

पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा

परियोजना देश के पश्चिमी दक्षिण-

पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने

वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र

में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित

उज्जैन-इंदौर क्षेत्र के विभिन्न

पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की

संख्या बढ़ेगी। परियोजना से पीथमपुर

ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और

700 छोटे और मध्यम उद्योग) को

जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य

बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा।

परियोजना मध्यप्रदेश के बाजरा उत्पादक

जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक

जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी,

जिससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों

में इसके वितरण में सुविधा होगी।

कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह

साढ़े आठ हजार वर्ग किलोमीटर का होगा इंदौर महानगर का दायरा



सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन

की घोषणा पर अब सरकार आगे

बढ़ने की तैयारी कर रही है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा

कि यह इंदौर के साथ धार, उज्जैन

और देवास के लिए महानगर

बनना महत्वपूर्ण है। इससे

सुनियोजित विकास होगा। इंदौर

में जल्द ही इसके लिए एक बड़ी

बैठक बुलाई जाएगी। पिछले

इंदौर दौरे के समय मुख्यमंत्री

मोहन यादव ने इंदौर मेट्रोपॉलिटन

रीजन को अमल में लाने की

घोषणा की थी। इसके बाद

कलेक्टर आशीष सिंह ने इसी मुद्दे

पर बैठक भी बुलाई थी। प्रभारी

मंत्री के रूप में अगले हफ्ते

मुख्यमंत्री इंदौर से जुड़े तमाम

महत्वपूर्ण विषयों पर

जनप्रतिनिधियों और अफसरों से

चर्चा करेंगे, जिसमें मेट्रोपॉलिटन

रीजन मुख्य का विषय शामिल

रहेगा। इंदौर मेट्रोपॉलिटन रीजन

में 8,676 वर्ग किलोमीटर का

क्षेत्रफल शामिल रहेगा। इसमें

इंदौर जिले से देवास, धार, उज्जैन

के सीमावर्ती क्षेत्र भी जुड़ेंगे। इंदौर

के नए मास्टरप्लान के निवेश क्षेत्र

में भी इन्हें शामिल किया जाएगा।

अभी तक मध्यप्रदेश में एक भी

शहर को महानगर का दर्जा नहीं

मिल पाया है। इंदौर पहला शहर

होगा। सरकार जल्दी ही महानगर

का प्रस्ताव लाकर इसका

नोटिफिकेशन कर सकती है।

यह होगा महानगर बनने का

फायदा

इंदौर महानगर प्राधिकरण

बनेगा, इसे एक कमेट्री संचालित

करेगी

–मेट्रो ट्रेन के विस्तार में केंद्र से

आसानी से राशि मिल सकेगी।

पीथमपुर, उज्जैन तक मेट्रो का

प्रोजेक्ट मंजूर होगा

–शिप्रा नदी के शुद्धिकरण के

लिए इंदौर और उज्जैन जिले को

अलग-अलग योजना बनाने की

जरूरत नहीं होगी

–तीन जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों

का विकास सुनियोजित होगा,

वहां उद्योग स्थापित हो सकेंगे

तीन महीने एफआईआर के लिए भटकी पीड़िता

अपहरण और गैंगरेप के आरोपियों को बचाती रही पुलिस



इंदौर। इंदौर की कनाड़िया पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर स्क्रीप व्यापारी सहित पांच लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि वह 11 जून 2024 को कनाड़िया में किराए से फ्लैट देखने जा रही थी, तभी आरोपियों ने उसे जबरन कार में बैठाया और अरविंदो अस्पताल के गोदाम में ले जाकर उसके साथ रेप किया। पीड़िता के अनुसार, वह कनाड़िया में किराए से फ्लैट देखने जा रही थी, तभी एक थार गाड़ी से सामने से आई स्कूटी के यहां रोक दी। इस कार से इरफान अली उतरा और उसे जबरदस्ती कार में बैठाने लगा। उसने कहा कि तुझे सलीम भाईजान से 10 से 12 लाख रुपए दिलावा देता हूं। पीड़िता ने विरोध किया तो कार की पीछे की सीट पर सलीम तेली निकला और

कहा कि सड़क पर ही इसे कपड़े उतार दो। इसके बाद सलीम बारिक नाम का लड़का सहित पांच लोगों के खिलाफ जबरदस्ती गाड़ी में बैठा दिया। उसी समय सफेद रंग की दूसरी कार से शहजाद उतरा और अपशब्द कहे। आरोपियों ने पीड़िता को कार में बैठकर अपहरण किया और अरविंदो अस्पताल के यहां गोदाम में ले गए। यहां कमरे में टीवी चालू कर सभी शराब पीने लगे। इसके बाद सलीम ने बेल्ट निकाला और मुजरा करने को कहा। करीब आधे घंटे बाद सभी ने अननैचुरल सेक्स को लेकर दबाव बनाने लगे। पीड़िता ने मना किया तो नजर पठान ने बेल्ट से बुरी तरह से मारा। फिर सभी एक के बाद एक बेल्ट से मारने लगे। सभी ने नशा किया और पीड़िता के साथ रेप किया।

डेवलपमेंट के झूठे वादे कर प्रॉपर्टी बेचने वालों की खैर नहीं, कॉलोनिनों के बंधक प्लॉटों को अपने कब्जे में लेगा प्रशासन

सिटी चीफ इंदौर।

कॉलोनी विकास की अनुमति लेने के बावजूद दशकों तक विकास कार्य पूरे नहीं करने वाले कॉलोनाइजर और डेवलपर जिला प्रशासन की रडार पर हैं। जिले की एक दर्जन कॉलोनिनों की प्रशासन ने जांच शुरू की है, जहां अनुमतियों को दिखाकर आम नागरिकों को प्लॉट बेच दिए गए और विकास कार्य अब तक पूरे नहीं किए गए। परेशान लोग अब जनसुनवाई और अन्य माध्यम से शिकायत कर रहे हैं। शिकायत के आधार पर अधूरे विकास कार्य छोड़ने वाली कॉलोनिनों की सूची तैयार कर जांच कराई जा रही है। इसमें दोषी सिद्ध होने के बाद प्रशासन इन कॉलोनाइजरो पर प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ ही अन्य कार्रवाई करेगा। इसमें भिचौली हप्पी, खुडेल, सांवेर और महु तहसील की कॉलोनियां चिन्हित की गई हैं। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने बिहाड़िया स्थित ग्रीन लाइफ सिटी कालोनी के 22 भूखंड गत दिनों राजसात किए गए हैं।



कॉलोनाइजर अरविंद बंजारी पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई। प्रशासन ने आमजन को सुविधा देने के लिए अवैध और अधूरे विकास कार्य वाली कॉलोनिनों की जांच शुरू की है। कलेक्टर आशीष सिंह ने स्पष्ट किया है कि विकास कार्य पूरे नहीं कराने वाली कॉलोनिनों के बंधक भूखंडों को राजसात किया जाएगा। उनमें इंदौर विकास प्राधिकरण विकास कार्य पूरे कराए जाएंगे।

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मप्र की बिजनेस सिटी

इंदौर में बंपर नौकरियां आई हैं।

इंदौर के आईटीआई (इंडस्ट्रीयल

ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट) को कंपनियों ने

दस हजार योग्य उम्मीदवार

तलाशने को कहा है। इसके लिए

आईटीआई ने तैयारी भी शुरू कर

दी है। इंदौर के साथ ही पूरे प्रदेश

से युवाओं को इन नौकरियों के

लिए बुलाया जाएगा। पीथमपुर,

इंदौर और देवास में स्थित इन

उद्योगों को जल्द कर्मचारियों की

भर्ती करना है। इंदौर में संभागीय

आईटीआई नंदानगर में स्थित है।

यहां से जानकारी दी गई है कि

अधिकांश खाली नौकरियां

कपड़ा उद्योग में हैं। अर्ध-कुशल

और कुशल श्रेणियों में केंद्रित

अधिकतर नौकरियों के लिए

युवाओं को तलाशा जा रहा है।

कपड़ा उद्योग के बाद

ऑटोमोबाइल और इंजीनियरिंग

क्षेत्र में अवसर आ रहे हैं।

सितंबर से शुरू होगा प्लेसमेंट

झाड़व

आईटीआई इंदौर संभाग में

प्रशिक्षण और प्लेसमेंट अधिकारी

मीना लोहिया ने कहा कि हमें

मिशाल और अर्ध-कुशल श्रेणियों

में 10,476 कार्यबल पदों के लिए

आवेदन प्राप्त हुए हैं। कपड़ा और

परिधान उद्योग में कई नई

कंपनियां आ रही हैं। इन

कंपनियों में हमें लगभग सभी

नौकरी प्रोफाइल में अवसरों आ

रहे हैं। हम न केवल अपने क्षेत्र से

बल्कि पूरे राज्य के अन्य केंद्रों से

भी छात्रों की पहचान करने पर

काम कर रहे हैं। इसलिए

नौकरियों की बहुत अधिक

आवश्यकता आ गई है।

कर्मचारियों की बढ़ती मांग को

पूरा करने के लिए संस्थान

सितंबर से कैंपस प्लेसमेंट झाड़व

शुरू करने पर विचार कर रहा है।

इन नौकरियों में अधिक

जरूरत

संभागीय आईटीआई नंदानगर ने

पीथमपुर, देवास, धार, इंदौर और

क्षेत्र के अन्य औद्योगिक केंद्रों में

उद्योगों की मांग को पूरा करने के

लिए छात्रों की पहचान करना

शुरू कर दिया है। संभागीय

आईटीआई के अनुसार उद्योगों

की मांग में सबसे अधिक मांग

वाली नौकरी मशीनिस्ट, फिटर,

वेल्डर, इलेक्ट्रीशियन, टर्नर,

बढ़ई, मोटर मैकेनिक और

डीजल मैकेनिक की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक, सीएम ने इंदौर-मनमाड रेल लाइन के लिए पीएम और रेल मंत्री का आभार माना

इंदौर-मुंबई के बीच 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

सिटी चीफ भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट के सदस्यों को बताया कि मध्यप्रदेश के मालवा और निमाड़ अंचल के साथ ही अन्य क्षेत्रों की प्रगति के लिए दशकों से लंबित इंदौर-मनमाड ब्राडगेज डबल लाइन की स्वीकृति केन्द्रीय केबिनेट द्वारा दी गई है। मंत्रि-परिषद के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर इस उपलब्धि के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बधाई दी और प्रधानमंत्री मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कैबिनेट के सदस्यों को इस रेल परियोजना की स्वीकृति के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह 18036 करोड़ रुपए लागत की रेल परियोजना प्रदेश के लिए नई लाइफ लाइन होगी। इकोनामिक कॉरिडोर का विकास होगा। प्रदेश के बड़वानी, धार, खंडवा, खरगोन, इंदौर सहित निकटवर्ती जिले लाभान्वित होंगे। यहां 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेनें दौड़ेंगी। पूरे प्रदेश के जिले लाभान्वित होंगे, जिनमें ग्वालियर से सीधे जवाहर लाल नेहरू पोर्ट (बंदरगाह) तक जाने की कनेक्टिविटी कम दूरी के साथ प्राप्त होगी। अनेक जनजातीय बहुल जिलों



सहित राजगढ़ जैसे आकांक्षी जिले भी इससे लाभान्वित होंगे। यह परियोजना मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी वचुंअली शामिल होते हुए रेल परियोजना की मंजूरी पर हर्ष व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जानकारी दी कि प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड में एक

वृंदावन गांव विकसित किया जाएगा। यह गांव स्वावलंबी एवं स्वच्छ और निर्मल होंगे। इनमें सामुदायिक भवन, सार्वजनिक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं होंगी। वनांचल में वनोपज संग्रहण केन्द्र भी होंगे। पशुपालन और दुग्ध उत्पादन के साथ ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग से ग्राम नए स्वरूप में सामने आएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में गीता भवन प्रारंभ किए जाएंगे, जो वैचारिक अध्ययन केन्द्र भी होंगे। यहां पठन-पाठन की व्यवस्था होगी। भारतीय संस्कृति से अवगत करवाने वाली पुस्तकों का संग्रह होगा और विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से साहित्य उपलब्ध करवाया जाएगा। नगरीय विकास और आवास विभाग इस अभिनव योजना की रूपरेखा तैयार करेगा, इसके बाद गतिविधियां प्रारंभ होंगी। 27 सितम्बर को सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर उत्पन्न कर रही है। हाल ही में 28 अगस्त को ग्वालियर में सम्पन्न कॉन्क्लेव में 15 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 4 हजार से अधिक प्रतिनिधि और निवेशक शामिल हुए। लगभग 400 बॉयर-सेलर मीट हुई। करीब 8 हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिनके फलस्वरूप 35 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। आगामी 27 सितम्बर को सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियां की जा रही हैं। अक्टूबर माह में रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित की जाएगी।

एक करोड़ हेक्टेयर तक ले जाएंगे सिंचाई रकबा प्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र को बढ़ाया जाएगा। इसके एक करोड़ हेक्टेयर तक ले जाने का लक्ष्य तय किया गया है। इसी क्रम में 4197 करोड़ की नीमच में पाइप युक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी है। एक लाख 8 हजार 600 हेक्टेयर में सिंचाई होगी। नीमच तहसील के 252 गांव और जावद तहसील के 212 गांव को सिंचाई का लाभ मिलेगा। **मोहासा और सीतापुर में इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट को मंजूरी** कैबिनेट में मोहासा बाबई में रिन्युवल एनर्जी और एनर्जी के लिए मैन्युफैक्चरिंग इकाइयां स्थापित करने 227 एकड़ जमीन पर 93.50 करोड़ खर्च होगा। इसमें केंद्र और राज्य सरकार को 60:40 का अंश होगा। केंद्र सरकार 56 हजार करोड़ देगी। इसमें करीब दस हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं, दस हजार करोड़ रुपए का निवेश होगा। मुरैना जिले के सीतापुर में 161.7 एकड़ जमीन पर फुटवियर एसेसरीज और डेवलपमेंट पार्क डेवलप होगा। इस पर 111 करोड़ खर्च होंगे। लेदर एसेसरीज, बैग्स, गारमेंट बनेंगे। इसमें 2300 करोड़ रुपए का निवेश होगा।

भोपाल में दो एसडीएम और चार तहसीलदारों को किया इधर से उधर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने मंगलवार को दो एसडीएम और चार तहसीलदारों को इधर से उधर किया। कोचिंग सेंटारों पर सख्त कार्रवाई करने वाले एमपी नगर एसडीएम आशुतोष शर्मा को शहर का जिम्मा सौंपा गया है। वहीं, एलके खरे की वापसी हुई है। एसडीएम शर्मा ने पिछले दो महीने में अंदर एमपी नगर की कई कोचिंग क्लासेस पर कार्रवाई की है। फायर सेफ्टी और सुरक्षा इंतजाम नहीं मिलने पर कोचिंग संचालकों को नोटिस भी जारी किए थे। वहीं, बैसमेंट भी सील कर दिए थे। कोचिंग संचालकों को नोटिस भी दिए गए थे।



जिसकी मियाद मंगलवार को खत्म हो गई। इसी बीच शर्मा को शहर वृत्त और शहर वृत्त से खरे को एमपी नगर में भेज दिया गया। खरे पहले भी एमपी नगर

एसडीएम रह चुके हैं। उन्होंने फायर सेफ्टी के इंतजामों को लेकर लगातार कार्रवाई की थी। दूसरी ओर, शर्मा को शहर वृत्त का अहम जिम्मा सौंपा गया है। बता दें

कि पुराने शहर में मेट्रो के दूसरे फेज का काम शुरू हो गया है। ऐसे में आरा मशीनों की शिफ्टिंग, रेलवे स्टेशन से अतिक्रमण हटाना बड़ी चुनौती रहेगी। मंगलवार को ही खरे ने अतिक्रमण हटाने को लेकर मीटिंग भी की है। **तहसीलदारों की भी अदला-बदली** कलेक्टर ने एसडीएम के अलावा तहसीलदारों की अदला-बदली की है।आलोक पारे को एमपी नगर वृत्त, करुणा दंडोतिया को टीटी नगर से शहर वृत्त, सुनील वर्मा को एमपी नगर से संत हिरदाराम नगर बैरागढ़ वृत्त और चंद्रकुमार ताम्रकार को शहर वृत्त से टीटी नगर वृत्त में पदस्थ किया गया है।

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के स्टेट म्यूजियम से मंगलवार को चोरी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। वह यहां रविवार शाम से था। सोमवार को म्यूजियम बंद रहता है। एक दिन की छुट्टी के बाद मंगलवार सुबह 10.30 बजे जब कर्मचारियों ने म्यूजियम का ताला खोला तो अंदर दो कमरों में गैलरी के कांच टूटे थे। सामान गायब था। म्यूजियम में तैनात होम गार्ड्स और प्राइवेट गार्ड्स ने सर्चिंग शुरू की। दालान में एक युवक बेहोश पड़ा मिला। उसके पैर में चोट थी। बगल में एक बड़ा बैग पड़ा था। श्यामला हिल्स थाने से भी पुलिस मौके पर पहुंच गई। बैग में 2000 साल पुराने गुप्त कालीन, ब्रिटिश और नवाबी काल के सोने के सिक्के पाए गए। जेवर, बर्तन और दूसरी पुरानी कीमती चीजें भी मिलीं। दालान की जिस दीवार के पास आरोपी पड़ा मिला, वह 23 फीट से ज्यादा ऊंची है। डीसीपी जोन 3 रियाज इकबाल के मुताबिक, ह्मआरोपी दीवार फांदने की कोशिश में गिर गया होगा। म्यूजियम में 50 से ज्यादा फिंगर प्रिंट्स मिले हैं। शुरूआती जांच में यही लग रहा है कि आरोपी अंदर



अकेला ही था। बाहर उसका कोई साथी था या नहीं, पूछताछ में स्पष्ट होगा। डीसीपी ने कहा- आरोपी विनोद यादव बिहार के गया का रहने वाला है। प्रोफेशनल चोर लग रहा है। हमारी एक टीम गया भी रवाना हुई है। रविवार को वह टिकट लेकर म्यूजियम घुसा और अंदर ही छिप गया। म्यूजियम की सुरक्षा के लिए तैनात गार्ड्स बिल्डिंग को लॉक कर कैम्पस में आ गए। आरोपी के पास से चोरी गया सारा सामान बरामद हो गया है। इसकी कीमत 8 से 10 करोड़ रुपए के बीच होगी। सोने के कुछ सिक्के तो 50 से 100 ग्राम तक के हैं। यह माल तो सिर्फ दो कमरों का था, पूरे म्यूजियम में करीब 50

करोड़ रुपए से ज्यादा की चीजें होगी। डीसीपी रियाज इकबाल के मुताबिक, म्यूजियम की बिल्डिंग में कुछ कमियां हैं। इसे हम लिखित में देंगे। अलार्म सिस्टम नहीं है। ज्यादातर कैमरे भी बंद हैं। दरवाजे कमजोर हैं। एल्यूमीनियम के बने हैं। कई जगहों पर छत पर प्लास्टिक शीट है, इसे कोई भी आसानी से तोड़ सकता है। अच्छी बात यह रही कि म्यूजियम में होम गार्ड और प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड अलर्ट रहे। खुद आरोपी ने भी बताया कि उसने कई बार निकलने की कोशिश की, लेकिन हर बार गार्ड को गश्त करते हुए देखा, तो अंदर वापस जाना पड़ा।

सरकारी स्कूलों के टॉपर्स के लिए एमबीबीएस में 5 फीसदी सीटें रिजर्व की जाएं

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में सरकारी स्कूलों में टॉप करने वाले छात्रों के लिए एमबीबीएस में 5 फीसदी सीटें आरक्षित रखने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने हाल ही में मेंडिकल एजुकेशन विभाग को आदेश दिया कि इन छात्रों के लिए न केवल सीटें रिजर्व की जाएं, बल्कि उन्हें प्रतिष्ठित कॉलेजों में एडमिशन भी दिलाया जाए। इस मामले में आठ छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इन छात्रों ने आरोप लगाया कि सरकार की आरक्षण योजना के बावजूद उन्हें उचित लाभ नहीं मिला। मध्यप्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों के टॉपर्स के लिए एमबीबीएस में 5 फीसदी सीटें आरक्षित की थीं, लेकिन जब छात्रों ने एडमिशन के लिए आवेदन किया, तो मेंडिकल एजुकेशन विभाग ने उनकी अर्जी ठुकरा दी। एक ओबीसी छात्रा ने नीट में अच्छे अंक प्राप्त किए, लेकिन उसके आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया गया कि उसने ओबीसी कैटेगरी के लिए प्रयास नहीं किए। इसके बावजूद, उसके अंक जनरल कैटेगरी के बराबर थे और उसे जनरल कैटेगरी में एडमिशन मिल सकता था। इसी



तरह, अन्य छात्रों को भी आरक्षित सीटों का लाभ नहीं मिला और ओबीसी की सीटें भी फुल हो गई। अधिवक्ता अविरल विकास खरे ने सुप्रीम कोर्ट में छात्रों की एसएलपी तैयार की और अदालत को बताया कि सरकारी स्कूलों के टॉपर्स के लिए आरक्षण योजना में गलत दिशा में काम हो रहा है। उन्होंने कहा कि अंकों के हिसाब से इस

कोटे के तहत क्लेम करने वाले छात्रों की मेरिट देखी जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिए छात्रों के लिए एमबीबीएस में सीटें रिजर्व रखने का आदेश दिया है। इसके तहत सरकारी स्कूलों के टॉपर्स को अनारक्षित श्रेणी में प्रवेश दिया जाएगा और उनकी मेरिट के अनुसार एडमिशन प्रदान किया जाएगा।

भोपाल जিপ सदस्यों ने मंत्री को भोपाल मेट्रो का दूसरा स्टील ब्रिज 3 घंटे सौंपी खराब सड़कों की लिस्ट में रेलवे ट्रैक के ऊपर रखा गया

भोपाल। बारिश की वजह से भोपाल की सड़कें जर्जर हो गई हैं। शहर के साथ गांवों की सड़कें भी खराब हैं। इसके चलते अब जताप्रतिनिधि आगे आए हैं और सड़कों के सुधार की मांग की है। जिला पंचायत सदस्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय मेहर ने पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह को भोपाल की खराब सड़कों की लिस्ट भी सौंपी है। जिन्हें जल्द ठीक कराने की मांग की है। भोपाल जिप सदस्य मेहर ने बताया कि बैरसिया ब्लॉक की कई गांवों में सड़कों की हालत खस्ता है। इनके मरम्मत एवं डामरीकरण की मांग को लेकर मंत्री सिंह से उनके

निवास पर जाकर खराब सड़कों की नाम की लिस्ट सौंपी। मंत्री सिंह को बताया कि बैरसिया ब्लॉक के ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं मजरी टोल की कच्ची सड़कों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत स्वीकृत की जाए। साथ ही खराब सड़कों पर डामरीकरण हो। ताकि, ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी नहीं हो। अभी सड़कों पर चलना मुश्किल हैं। इन सड़कों की डामरीकरण की मांग निदानपुर पंचायत की चौकी से निदानपुर टोला तक, चौकी से ग्राम खितवास तक, सोहाया जोड़ से पनिया गांव तक, कडैयाशाह से

हिम्मतबाबा मंदिर मार्ग होते हुए ग्राम सलौई तक, रानी खजुरी से चक तक, सालाखेड़ी से बुगली तक, भूरी पड़ार से जमूसर तक, खितवास से जूना पानी तक, सलौई से उमरबाड़ी तक और चौकी से ग्राम गाँड़ीपुरा तक। बता दें कि राजधानी के कई इलाकों में सड़कों में सड़कें ढूँढना पड़ रही हैं। सबसे ज्यादा निगम की सड़क खस्ताहाल हैं। नगर निगम की करीब 4 हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं। एमपी नगर, होशंगाबाद रोड, बांसखेड़ी, दानिशकुंज, बीडीए, अवधपुरी, दानिश चौराहा, मंदाकिनी समेत कई प्रमुख सड़कें ऐसी हैं, जहां से हर रोज लाखों लोग

सिटी चीफ भोपाल। भोपाल। भोपाल मेट्रो का दूसरा स्टील ब्रिज मंगलवार को 3 घंटे के अंदर रेलवे ट्रैक के ऊपर रख दिया गया। 400 टन वजनी स्टील ब्रिज को बड़ी क्रेन और 75 हॉर्स पॉवर की मशीनों से उठाया गया। 200 से अधिक अधिकारी-कर्मचारी पूरे समय तैनात रहे। भविष्य में ट्रैक से रेल और ब्रिज से मेट्रो गुजरेगी। आरकेएमपी से डीआरएम ऑफिस के बीच रेलवे लाइन है। इसलिए 65 मीटर लंबा स्टील ब्रिज असेंबल किया गया। दोनों

ओर कई महीने पहले ही पिलर खड़े हो चुके थे। रेलवे के ब्लॉक का इंतजार मेट्रो के अफसर कर रहे थे। कुछ दिन पहले डीआरएम ऑफिस तिराहे वाले ब्रिज के मिलते ब्लॉक मिला था। ब्लॉक मिलते ही दोनों ओर गर्डर रख दिए गए। वहीं, सबसे बड़ा चुनौती मंगलवार को दूर कर ली गई। मेट्रो कॉरपोरेशन के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य की मौजूदगी में हबीबगंज नाका रेलवे ओवरब्रिज की लॉचिंग की गई। मेट्रो कॉरपोरेशन को सुबह

11.30 से 2.30 बजे तक तीन घंटे का ब्लॉक दिया गया था। इसके चलते 200 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी पहले से तैनात हो गए। जैसे ही ब्लॉक मिला, काम शुरू कर दिया गया। 400 टन वजनी इस स्टील ब्रिज की लंबाई 65 मीटर, चौड़ाई 15 मीटर और ऊंचाई 14 मीटर है। जिसे बड़ी क्रेन और 75 हॉर्स पॉवर की मशीनों की मदद से खींचा और उठाया गया। टीम की मुस्तैदी के चलते ही समय सीमा में काम पूरा कर लिया गया। अब डीआरएम ऑफिस

(कंपोसिट स्टील ब्रिज) के कार्य भी जल्द किए जाएंगे। ताकि, यहां से ट्रैफिक खोल दिया जाए। उम्मीद है कि इसी महीने यह काम भी पूरा कर लिया जाएगा। क्रिम के इस काम के दौरान मेट्रो के निदेशक (सिस्टम) शोभित टंडन, निदेशक (प्रोजेक्ट्स) अजय गुप्ता, महाप्रबंधक सिविल वायसी शर्मा, महाप्रबंधक सिविल संजय सिंह, महाप्रबंधक प्रोजेक्ट्स हरिओम शर्मा, एजीएम सिविल रंजीत कुमार आदि अफसर भी मौजूद थे।

सम्पादकीय

पदकवीर दिव्यांग बेटियां हैं दूसरों के लिए प्रेरणा

पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधुरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को बांध नहीं सकी और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। यह कहना बिलकुल भी गलत नहीं है कि परों से नहीं, हौसलों से उड़ान होती है। ये उदाहरण उन लोगों के लिए मोटिवेशन का काम करेंगे जो बात-बात में निराश हो जाते हैं। इन बेटियों ने यह साबित कर दिया है कि मन में अगर जीतने का जज्बा हो तो कुछ भी मुश्किल नहीं है।

एक पैरा खिलाड़ी के लिए जीत की राह आसान नहीं होती, प्रतिस्पर्धा में खुद को साबित करना उस खेल से भी बड़ी चुनौती होती है, जिसमें दूसरे खिलाड़ियों से आगे निकलना है। खासकर अगर खेल पानी से जुड़ा हो तो अच्छे अच्छों को पसीने आ जाते हैं, तो सोचिए 'कैनो'जैसे खेल में पैरों से दिव्यांग खिलाड़ी बोट चलाकर रेस करते हैं, तो उनके हौसले कितने मजबूत होते हैं। इन्हीं हौसलों ने चंबल की दो बेटियों को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धा पेरिस में आयोजित पैरालंपिक खेलों तक पहुंचा दिया। मध्यप्रदेश के चंबल-अंचल की पूजा ओझा और प्राची यादव पैरालंपिक के कैनो खेल में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इन दोनों का ही सफ़र अपने आप में दूसरों के लिए प्रेरणादायी है। दोनों ही खिलाड़ी पैरों से दिव्यांग हैं, लेकिन जहां प्राची यादव अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भारत को 10 मेडल दिला चुकी हैं, जिनमे ज्यादातर गोल्ड हैं। तो वहीं पूजा ओझा 6 इंटरनेशनल गोल्ड जीत चुकी हैं। अब दोनों की ही निगाहें पेरिस पैरालंपिक के गोल्ड मेडल पर टिकी हुई हैं। दोनों ही खिलाड़ी अलग-अलग वर्ग में भारत की और से खेलेंगी, जिनका पहला मुकाबला आने वाले 6 सितंबर को होने जा रहा है। दरअसल इस बार देश की दिव्यांग बेटियों ने चैम्पियन और पदकवीर बनकर भारत को गौरवान्वित किया है। अजीब संयोग है कि ओलंपिक में मनु भाकर ने पदक जीत कर भारत का खता खोला था और पैरालंपिक में भी अविन लेखरा ने स्वर्ण पदक जीत कर इस सिलसिले को स्वर्णिम बना दिया। दोनों ही खिलाड़ी निशानेबाज हैं। पैरालंपिक में दिव्यांग बेटियों का शारीरिक आधा-अधुरापन, उनकी असहायता, असमर्थता और अपाहिज होने की स्थिति भी उनके खेल-हुनर को बांध नहीं सकी और पेरिस पैरालंपिक में भी बेटियां पदकवीर बनीं। राजस्थान की अविन लेखरा ने तो इतिहास ही रच दिया, जब टोक्यो के बाद पेरिस पैरालंपिक में भी उन्होंने निशानेबाजी का स्वर्ण पदक हासिल किया। अभी तो प्रतियोगिताएं शेष हैं। इस बार अविन का लक्ष्य है कि गोल्डन हैट्रिक जीत कर ही वे घर लौटेंगे। उन्होंने अपने पापा से यह वायदा किया है। यह असाध्य भी नहीं है, क्योंकि टोक्यो पैरालंपिक में अविन ने दो स्वर्ण पदक समेत तीन पदक जीते थे। यदि वे अपने लक्ष्य में कामयाब हो जाती हैं, तो भारत और एशिया की प्रथम दिव्यांग महिला निशानेबाज होंगी। निशानेबाजी में ही, राजस्थान की ही, मोना अग्रवाल ने कांस्य पदक जीत कर एक और मौल-पथर स्थापित किया है। आज मोना 37 वर्षीय और दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उन्हें वह लम्हा आज भी याद है, जब उन्होंने घर छोड़ा था, क्योंकि उन पर शादी का दबाव बनाया जा रहा था। मोना को 2016 से पहले तक यह भी नहीं पता था कि पैरालंपिक खेल भी होते हैं। निशानेबाजी में मात्र 3 साल के अनुभव ने ही उन्हें पैरालंपिक पदकवीर बना दिया। कभी कल्पना की जा सकती थी कि दिव्यांग, धावक बेटी 100 मीटर की दौड़ में हिस्सा लेगी और पैरालंपिक में कांस्य पदक विजेता बनेगी? कमोबेश हमने तो ऐसी कल्पना नहीं की थी, लेकिन मेरठ की प्रीति पाल ने यह लक्ष्य हासिल कर अभूतपूर्व कारनामा करके दिखा दिया। पिता ने दूध बेचकर और अपना सर्वस्व दांव पर लगाकर दिव्यांग बेटी को पैरालंपिक पदकवीर बनाकर तमाम विरोधाभासों को खारिज कर दिया। निशानेबाजी में ही रूबीना फ्रांसिस के खेल को विस्मृत नहीं कर सकते। उन्होंने भी कांस्य पदक हासिल किया। इन बेटियों को सलाम! शाबाश! सोचिए, किसी दुर्घटना में बेटी अपाहिज हो गई। किसी को प्रकृति ने ही विकलांग जन्म दिया। किसी को बीमारी ने आधा-अधूरा कर दिया। किसी का निचला हिस्सा बिलकुल निष्क्रिय है, किसी की टांगें नहीं रहੀं, किसी की एक बाजू और पांव टेढ़ा है, किसी को कुत्रिम अंग लगवाने पड़े हैं। कितनी तकलीफ, कितनी यंत्रणा और कितने तनाव से गुजरी होंगी ये खिलाड़ी बेटियां! उसके बावजूद ये सफलताएं अंतरराष्ट्रीय प्रतिद्वंद्वियों को पराजित कर हासिल की हैं। वाह! देश की चैम्पियन बेटियो! यहां हमें जम्मू-कश्मीर की 17-18 वर्षीय शीतल देवी की याद आती है, जो मुंह और पांव की अंगुलियों से प्रत्यंचा खींच कर तीरंदाजी करती हैं। ऐसा करते हुए उन्होंने 703 का स्कोर बनाया था और 698 के पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा था। यह दीगर है कि खेल के दौरान ही उनका विश्व रिकॉर्ड एक अंक से टूट गया। बेशक शीतल पदकवीर नहीं बन पाई और एक अंक से पिछड़ गई, लेकिन उनकी सटीक तीरंदाजी को देख कर लगता है मानो उनके भीतर कोई दैवीय शक्ति विराजमान हो! ये सभी बेटियां पदकवीर खिलाड़ी तो बन चुकी हैं, लेकिन जिंदा इतिहास भी हैं। इतिहास की शिलालेख भी हैं। इन खिलाड़ियों ने अननक परिश्रम किया है, संघर्षों से गुजरी हैं, आर्थिक स्थितियां भी अच्छी नहीं थीं, फिर भी भारत का 'तिरंगा' लहराया है और पैरालंपिक के दौरान जन गण, मन...भी गुंजा है। ये कम उपलब्धियां नहीं हैं। बेशक सरकार इन खिलाड़ियों को आर्थिक मदद दे रही है।

एआई के प्रवेश और आधुनिक हो रहे दौर में कैसी होगी शिक्षक की नई भूमिका?

प्रकृति के अपने दो ही मौलिक संसाधन हैं-समय और स्थान, जिन पर सवार होकर वह प्रगति का आख्यान आहुत करती है। पहचान का प्रतिबिम्ब बनाने में भी यही सामग्री काम आती है। हर दौर हर क्षेत्र की दिक्कतों और दिव्यताओं को अपने उपर उकेर कर अतीत होने को अभिशप्त है। परन्तु हर दौर पर समय की गहरी छाप छूट दी जाती है। जिसमें छिपे होते हैं महान नायकों के नवाचार और बहुसंख्यक सामान्य जनों के जीवन की दैनंदिन जुगालिया।

किसी भी समाज के इन महान नायकों में नाम दर्ज है शिक्षक का, जो अपने समय की चुनौतियों और अवसरों का आहवाहन करता है। समाज की हर नई पीढ़ी को भावी योद्धाओं की तरह तैयार करता है। जो रचते हैं उस समय पर अपनी शिनाख्त और उकेरते हैं उस जगह पर अपनी सभ्यता के संदेश। इसी दायित्व को धारण कर उतरता है एक शिक्षक समाज-निर्माण के रणक्षेत्र में।इस दृष्टि से नई सदी के नए अवसरों और चुनौतियों का चुनाव उन प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर करना होगा जो हमारी मानवता के भविष्य पर ही प्रश्न चिह्न लगाने में सलन है। जिस तरह से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंश

का जिन जिन्नात की शकल में जमता जा रहा है। सम्पूर्ण मानव जीवन पर टैक्नोलॉजी का शिकंजा कसता जा रहा है। उससे मानवीय मौलिकताएं मरणासन्न हो रही है। शिक्षा और शिक्षण के मूल्य मानवीय मूल्यों का तिरोहन सब तरफ हम सबके सामने हैं। ऐसे में एक सजग समाज का निर्माण शिक्षा की प्राथमिकता कैसे बने? नई आधुनिकताएं जिन नई नैतिकताओं पर टिकेंगी उनका प्रवाह शिक्षा के जरिए समाज में कैसे सम्प्रेषित हो? यह दुरुह दायित्व शिक्षक के सिवा कौन निभा पाएगा। अब गंभीर सवाल यही उठता है कि यह नया शिक्षक कैसा हो? वह इस नई भूमिका का निर्वाह कैसे करे? शिक्षा की प्राथमिकताएं क्या हो और वह कौन-सा परिवेश है जिसमें शिक्षा बदल रही है? शिक्षा के बदलते परिवेश में नए शिक्षक की नई भूमिकाएं कौन सी है? 21वीं सदी में शिक्षक, शिक्षा और शिक्षण संस्थाएं सब के सब आमूल चुल बदलावों की तरफ बढ़ रहे है। प्राथमिकताओं का प्रण करना इतना सरल नहीं है। समाज की अपनी जरूरतें है तो राजनीति के अपने अलग तकाजे हैं और बाजार तो खनन के ख्याल से बाहर कभी सोचता ही नहीं।

बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूँघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कमी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

बंकिम चंद्र की शस्य श्यामला माटी वाला पश्चिम बंगाल शक्ति पूजक समाज है। शरद ऋतु के स्वागत के साथ बंगाल की धरती दुर्गा के स्वागत में हर साल विभोर होती रही है। बंगाल में महिलाओं का सम्मान की कैसी परंपरा है, इसे समझने के लिए दुर्गा पूजा के विधान को समझना चाहिए। जहां मूर्ति बनाने के लिए उन वेश्याओं के घर से पहली मिट्टी लाई जाती है, जिन्हें आम तौर पर समाज त्याज्य और गंदा मानता है। बंगाल की धरती कैसी नारी पूजक रही है, किस तरह वह नारियों का सम्मान करती रही है, इसके उदाहरण आजादी के आंदोलन के इतिहास में जैसे मिलते हैं, अन्य राज्यों में कम। स्वाधीनता संग्राम में जिन तीन महिलाओं ने आगे बढ़कर हिस्सा लिया और अपने ज्ञान और संघर्ष से भारत को आलोकित किया, वे तीनों बंगाल की बेटियां थीं। पहली थीं अरूणा गांगुली, जो बाद में अरूणा आसफ अली बनीं, दूसरी थीं सुचेता मजुमदार जो बाद में सुचेता कुपलानी के नाम से प्रसिद्ध हुईं। तीसरीं थीं सरोजिनी चट्टोपाध्याय जो बाद में भारत कोकिला सरोजिनी नायडू बनीं। बंगाल की माटी नारी की कितना सम्मान करती रही है, उसका एक और उदाहरण कमला देवी चट्टोपाध्याय भी रहीं। जब भारत के अन्य इलाकों की महिलाएं घूँघट के पीछे सिर्फ परिवार के कोल्हू में पिस रहीं थीं, तब बंगाल ने अपनी बेटियों को वाजिब सम्मान दिया और उन्हें आगे बढ़ाया। उस बंगाल में कभी महिलाओं के साथ बदसलूकी की कल्पना तक नहीं की जाती थी। वहां अब हालात कैसे बदल गए हैं, इसका अंदाजा लगाने के लिए राधागोविंद कर अस्पताल में हुई घटना को उदाहरण के रूप में लिया जा सकता है।

समूचा देश अपनी आजादी की 77 वीं सालगिरह के जश्न में थककर पंद्रह अगस्त की रात जब मीठी नींद के आगोश में था, भद्रलोक की राजधानी कोलकाता के राधा गोविंद कर यानी आरजी कर अस्पताल में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर की बर्बतार पूर्वक रेप के बाद हत्या कर दी गई। बंगाल में देर रात तक दफ्तर से लौटने वाली लड़कियों की कभी घरवाले चिंता तक नहीं करते थे, अब वे परेशान हो उठे हैं। बंगाल के लोग अपनी बच्चियों के लिए चिंतित हो उठे हैं। बंगाल की धरती पर शायद यह पहली ऐसी घटना है, जिसमें किसी महिला के साथ ऐसी बर्बतार की गई है। इससे शक्तिपूजक बंगाली समाज का क्रोध और क्षोभ से भरना स्वाभाविक है। दिलचस्प यह है कि पश्चिम बंगाल इकलौता ऐसा राज्य है, जिसे महिला मुख्यमंत्री का गौरव हासिल है। महिला के राज में किसी महिला के साथ ऐसा दुराचार लोगों के गले आसानी से नहीं उतर रहा। इसलिए बंगाल इन दिनों खौल रहा है। बंगाल के चुनिंदा बुद्धिजीवियों को छोड़ दें तो समूचा बौद्धिक समाज सड़कों पर उतर आया है। जो चुप हैं या व्यवस्था की तरफदारी कर रहे हैं, वे सत्ताधारी पार्टी के साथ हैं, सांसद या किसी अन्य पद पर हैं।

अभी बहुत दिन नहीं हुए, जब पश्चिम बंगाल के संदेशखाली से भी महिलाओं से बलात्कार की खबरें सामने आई थीं। वहां

पौधे लगाने की रस्म अदायगी काफी नहीं रखरखाव का दायित्व निभाना भी जरूरी

जून की भीषण गर्मी के बाद बारिश आने पर वृक्ष प्रेमी गत वर्षों की भांति पौधे रोपने लगे। लेकिन इस बार भी उक्त यह दिलचस्पी नहीं रही कि उनका रोपा हुआ पौधा आने वाले ग्रीष्मकाल से पहले ही वनाग्नि से बच पाएगा या नहीं यह सावधानी इसलिए कि इस बार पर्वतीय इलाकों के वनों में लगी आग से लाखों पेड़ जल गए हैं। इसके अलावा, वन्य जीव, जड़ी बूटियां, घास, छोटे-छोटे पौधे, पक्षी आदि के विनाश का तो कोई आंकड़ा ही नहीं है।

आग से प्रभावित वनों की जैव-विविधता को बचाने के लिए लोगों ने कई पत्र अपनी राज्य सरकारों को सौंपे हैं, लेकिन बारिश आते ही सारे प्रयास ठंडे बस्ते में चले गए। अतः वन और पर्यावरण के प्रति इस घोर लापरवाही के बाद पेड़ उतने ही लगाने चाहिए, जितना कि इन्सान स्वयं देखभाल करके बचा सकता है। जंगल के बीच में पेड़ लगाकर भगवान भरोसे छोड़ना समय और पैसा, दोनों का नुकसान है। और यह हर वर्ष नर्सरी में उगाए गए पौधों के प्रति भी अन्याय है, लेकिन जो लोग अपनी जिम्मेदारी और देखरेख में पौधरोपण कर रहे हैं, उनके द्वारा रोपे गए पौधे आग और सूखे, दोनों से बच जाते हैं।

आंकड़ों के आधार पर यह भी कहा जा रहा है कि लगभग 73,000 प्रजातियों के 30.40 खरब पेड़ दुनिया में मौजूद हैं। लेकिन दूसरी तरफ पता चलता है कि प्रतिवर्ष 15 अरब पेड़ विकास के नाम पर काटे जाते हैं और यह भी बताया जाता है कि हटने ही पौधों का रोपण भी किया जाता है। इसके आधार पर पता चलता है कि प्रति व्यक्ति 400 से अधिक पेड़ धरती पर हैं। यदि यह सच होता, तो वे भीषण तापमान को रोकने में मददगार हो सकते हैं। दूसरी ओर, भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में से 24.62 प्रतिशत क्षेत्र में ही वन हैं, जबकि स्वस्थ पर्यावरण मानक के अनुसार, 33.3 प्रतिशत क्षेत्र में पेड़-पौधे होने चाहिए थे। धरती पर कार्बन को नियंत्रित करने में पेड़ पौधों के अलावा घास की खनन के ख्याल से बाहर कभी सोचता ही नहीं।

भारत के भूगोल में विविधता के कारण



की घटना की जब परतें खुलने लगीं तो पता चला कि रेप की घटनाएं अपराध और राजनीति के नापाक गठजोड़ का नतीजा हैं। संदेशखाली को लेकर बंगाली समाज में उबाल तो आया, लेकिन वैसा नहीं, जैसा आरजी कर अस्पताल की दुराचार के बाद दिख रहा है। शायद संदेशखाली की पीड़िताएं ग्रामीण इलाकों की हैं, जबकि आरजी कर की घटना उस कोलकाता शहर की है, जिसे भद्रलोक समाज के लिए जाना जाता है। पश्चिम बंगाल की कड़वी सच्चाई बांग्लादेश से हो रही अवैध घुसपैठ। अवैध घुसपैठियों के समर्थन में बीजेपी छोड़ तकरीबन समूची बंगाली राजनीति है। 34 साल के वामपंथी शासन के दौरान इस घुसपैठ को वैधता मिली। वामपंथी शासन व्यवस्था के दौरान पार्टी कैडर के नाम पर बड़ा झुंड उभरा। सरकार पर संगठन का नियंत्रण होना चाहिए, लोकतांत्रिक व्यवस्था में इसे स्वीकार किया जा सकता है। लेकिन संगठन की ओर से समानांतर व्यवस्था चलाना और शासन में हर स्तर पर हस्तक्षेप शासन की निष्पक्षता को तो खत्म करता ही है, शासन को पंगु भी बना देता है। प्रांत से लेकर ब्लॉक स्तर तक स्थापित वामपंथी व्यवस्था ने ऊपर से नीचे तक प्रशासन को अपना गुलाम बनाने में कामयाब रहा। प्रशासन और समानांतर पार्टी व्यवस्था ने मिलकर अपराध और राजनीति का मजबूत गठजोड़ बनाया। इस गठजोड़ में पैसा था, पॉवर था, ताकत थी। नीचे से मिले पैसे उपर तक पहुंचते रहे। जनता ठगी जाती रही है। पश्चिम बंगाल का समाज उस संस्थानिक व्यवस्था से इतना परेशान था कि संघर्षशील ममता बनर्जी में नई उम्मीद दिखी। बंगाली समाज को लगा कि संघर्षशील ममता नई बयार बनकर पश्चिम बंगाल की व्यवस्था में जमी काई को साफ कर देगी। उन्हें उम्मीद थी कि ममता अपने राजनीतिक औजारों से बंगाल की व्यस्था में जमे नासुर को साफ कर देंगी। लेकिन अफसोस ऐसा नहीं हुआ। ममता भी उसी कदम पर चल पड़ीं। निचले स्तर पर जो वामपंथी कैडर था, वह ममता का कार्यकर्ता बन गया। अवैध घुसपैठ बनती रही। घुसपैठियों या पूर्वी बंगाल के लोगों को पश्चिम बंगाल को लोग बांगाल बोलते हैं। कहने का मतलब यह है कि बांगाल के हवाले होती रही राजनीति और सीमा के पापे तक के अल्पसंख्यक तुष्टिकरण से प्रशासन लगातार या तो पंगु होता गया या फिर सत्ताधारी तंत्र का चारण

बनता गया। प्रशासन का यह चारण रूप 16 अगस्त को भी दिखा, जब आरजी कर की पीड़िता की रिपोर्ट साढ़े ग्यारह बजे रात को दर्ज की गई, जबकि उसके साथ बलात्कार और उसका मर्डर पंद्रह अगस्त की रात को दो से ढाई बजे के बीच हो चुका था। इसे सुप्रीम कोर्ट ने भी नोटिस किया और कोलकाता पुलिस को डांट भी पिलाई। सुप्रीम कोर्ट जजों ने तो यहां तक कहा कि अपने तीस साल में ऐसा कभी होते नहीं देखा।

पश्चिम बंगाल में ही हो सकता है कि भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस अधिकारी के घर केन्द्रीय य एजेंसी छापा मारने पहुंचे तो मुख्यमंत्री खुद दल बल अपने भ्रष्ट अधिकारी के पक्ष में धरना देने पहुंच जाएं। कुछ इसी अंदाज में ममता की अगुआई में कोलकाता में बलात्कार और कत्ल की घटना के विरोध में धरना दिया गया। कह सकते हैं कि यह सरकार के खिलाफ सरकार का धरना था। ऐसा दुनिया के किसी भी लोकतांत्रिक समाज में कम से कम अब तक तो नहीं ही देखा गया है। ममता ने चूंकि प्रशासन में किसी तरह का गुणात्मक बदलाव नहीं किया, बल्कि वामपंथ जैसी कैडर व्यवस्था विकसित कर ली और उसे झूट दी। अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं और नेताओं के सामने स्थानीय पुलिस झुकने को मजबूर हो गई। इससे राज्य में अपराध बढ़ा और पुलिस का इकबाल कम हुआ। पुलिस का भरोसा अगर बना रहता तो शायद पश्चिम बंगाल में अपराध की घटनाएं इतनी ज्यादा नहीं बढ़तीं। पुलिस की लाचारगी तो आरजी कर बलात्कार में बार-बार नजर आई है। बंगाल के बारे में कहा जाता रहा है कि बंगाल जो आज सोचता है, वैसी सोच भविष्य में दूसरे राज्यों की होती है। लेकिन बलात्कार और बढ़ती अपराध की घटनाओं को लेकर नहीं कह सकते कि बंगाल से बाकी राज्यों में उससे ज्यादा हो सकता है। ऐसी सोच होनी भी नहीं चाहिए। लेकिन यह उम्मीद जरूर करनी चाहिए कि आगे की सोच रखने वाला भद्रलोक इस दिशा में भी सोचेगा। उसका गुस्सा एक ऐसे बंगाल की रचना करेगा, जहां की धरती में रवींद्र संगीत गूंजता रहेगा, जहां बंकिम के गीत गाए जाते रहेंगे। जहां उसकी नारियां स्वाधीन ढंग से काम कर सकेंगी और समाज में निर्भीक तरीके से आगे बढ़ सकेंगी। जिसमें सिंदूर खेला होगा, घुंघुंची नृत्य होगा, दुर्गा देवी की पूजा होगी।



प्राकृतिक वन क्षेत्रों में बहुत अंतर दिखाई देता है।भारत वन स्थिति रिपोर्ट-2021 के अनुसार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के वन क्षेत्र में बेहतर सुधार हुआ है और इसके आधार पर अनुमान लगाया जाता है कि यहां प्रति व्यक्ति 28 पेड़ हैं। अरुणाचल प्रदेश में 80 प्रतिशत वन क्षेत्र है, उत्तराखंड में 71 प्रतिशत और राजस्थान में 10 प्रतिशत से भी कम वन क्षेत्र है। इसलिए भारत की वन नीति के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक-तिहाई क्षेत्र को वनों के अंतर्गत लाना पड़ेगा।

एक व्यक्ति को जीवन काल में 7-8 पेड़ों से प्रतिवर्ष 740 किग्रा ऑक्सीजन मिलती है। हर व्यक्ति एक वर्ष में सिर्फ पांच पेड़ लगाए, उनमें से 75 प्रतिशत भी बचा सके, तो धरती पर ऑक्सीजन की कमी नहीं होगी। ध्यान रहे, पौधा तभी पनपता है, जब उसे लगाते समय गड्डों में कोई कीट न हो। यदि हो, तो दवाई के छिड़काव के साथ खाद और मिट्टी मिलाकर पौधे लगाने चाहिए। धूप से बचाव के लिए समय-समय पर

सिंचाईजरूरी है। रोपण के समय गड्डे के चारों ओर 50-100 सेंटीमीटर व्यास के घेरे में खरपतवार हटाए बिना पौधे की वृद्धि रुक सकती है। 18-24 महीने तक निराई और खाद का प्रयोग आवश्यक है। पेड़ आमतीर पर गीली जमीन पसंद करते हैं। यदि इसका ध्यान नहीं होगा, तो रोपे गए पौधे जल्दी सूख जाएंगे। अनुमान है कि 2050 तक 25 खरब पेड़ ही बचे रहेंगे। फिर तो वैश्विक तापमान वृद्धि को कोई नहीं रोक पाएगा। इसलिए जरूरी है कि राज्य सरकारें अपने नागरिकों के साथ हर स्तर पर पर्यावरणीय मानकों को बनाए रखने के लिए उचित देखभाल के अनुसार ही पौधरोपण करवाएं। राज्यों को बिना सोचे-समझे जंगल को रातों-रात काटने की प्रवृत्ति पर रोक लगानी पड़ेगी। उदाहरण है कि उत्तर प्रदेश में जहां हर वर्ष करोड़ों पेड़ों का रोपण किया जाता है, वहीं दूसरी तरफ लगभग 50 वर्षों से पाले हुए जंगल को काटने पर विचार हो रहा है। उत्तराखंड में हर रोज जंगल बचाने के लिए लोग एकत्रित होते हैं,

फिर भी यहां आए दिन हरे पेड़ कटने की शिकायतें मिलती हैं।

यही स्थिति जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल, असम, मेघालय, मणिपुर, नगालैंड, छत्तीसगढ़, झारखंड आदि स्थानों की है। जहां विकास के नाम पर हर रोज लाखों पेड़ों की बलि दी जा रही है। यदि हम रोज पौधरोपण करें और हमारे सामने ही 50-60 साल पुराना जंगल काट दिया जाए, तो समझना चाहिए कि हम आज जो पेड़ लगा रहे हैं, पहले तो उसे आग से बचाना मुश्किल होगा और यदि बच गया, तो लगभग 50 वर्ष तक उसे जंगल के रूप में खड़ा होने के लिए इंतजार भी करना होगा। अतः जरूरी हो गया है कि पुराने समय से जो पेड़ हमें ऑक्सीजन दे रहे हैं, इसके अलावा जो बीज धरती के अंदर से जमकर पौधे का रूप धारण कर रहे हैं, उन्हें भी राज व समाज को मिलकर पौधरोपण की तरह महत्व देने की जरूरत है।

नानपुर में 200 साल पुराने जैन मंदिर में भव्य तरीके से मनाया पर्यूषण पर्व भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव की तैयारी

रिजवान शेख । सिटी चीफ नानपुर, जैन मंदिर में जैन समाज का त्यौहार पर्व पर्यूषण बड़ा धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें जैन मंदिर अति प्राचीन भगवान मनमोहन पारसनाथ मूल नायक विराजमान है और नानपुर में जैन समाज पुराणिक परिवार द्वारा बड़ा हर्ष उल्लास से मनाया जाता है जिसमें जैन मंदिर में लाइटिंग से पूरा मंदिर सजाया जाता है और भगवान मनमोहन पारसनाथ की आगी भी बनाई जाती है बनाई जाती है आज पर्व पर्यूषण के चौथे रोज भगवान मनमोहन पारसनाथ की आगी पुजारी नवीन भाई ने बनाई है हर साल की तरह इस साल भी भगवान महावीर स्वामी जी का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा भगवान महावीर स्वामी जी का जन्म पर्व के पांचवी रोज तुम धाम से मनाया जाता है जैन परिवार द्वारा सुबह शाम आरती पूजा प्रतिक्रमण किया जाता है भगवान महावीर स्वामी जी के जन्मोत्सव पर मंदिर में गुलाब के फूल से सजाया जाता है और बढ़-चढ़के भगवान महावीर स्वामी जी के पालने वी झूला झुलने के लिए बोली लगाई जाती है और आरती की भी बोली लगाई जाती है नानपुर में पुरानी परिवार राकेश जैन रीता



जैन मनीष जैन प्रतीक्षा जैन प्रीतेश जैन खुशबू जैन आशीजैन नमन जैन प्रेक्षा जैन पल जैन आरव जैन द्वारा यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है नानपुर नगर के अंदर यह मंदिर अति प्राचीन 200 साल पुराना चमत्कारी मंदिर भगवान मनमोहन पारसनाथ दादा का है जैन मंदिर में रात को भक्ति भी धूमधाम से की जाती है यह मंदिर बहुत चमत्कारी है यह

मंदिर नांदुरी के नाम से जाना जाता है 200 साल पुराना नांदुरी तीर्थ के नाम से आज भी इतिहास में सुंदर अक्षर से लिखा गया है यह मंदिर बहुत ही भव्य और चमत्कारी है पुराने जमाने में रात को 12-00 बजे घंटी बस्ती थी ऐसे पुराने लोग कहते हैं यह मंदिर बहुत ही विराट है इस मंदिर का जीणोद्धार होना है क्योंकि यह मंदिर बहुत ही पुराना आज भी है।

आरोपी फरार, पुलिस ने मामला दर्ज कर JCB चालक और JCB की तलाश शुरू की

शराब के नशे में JCB के पंजे से युवक को दबाने का वीडियो वायरल

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के रंगनाथ नगर थाना क्षेत्र बरगंवा इलाके का एक वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है जिस वीडियो में एक युवक को JCB चालक JCB के पंजे से दबा रहा है और जब युवक घायल हो गया तो वह मौके से फरार हो गया। रंगनाथ नगर पुलिस ने बताया की वायरल हो रहे इस वीडियो घायल युवक का नाम अतुल तिवारी है जो शराब के नशे में था और आसपास के रहवासियों के बतायानुसार घायल अतुल तिवारी नमक युवक नशे की हालत में किसी जमीन को समतली करण करने को लेकर बात कर रहा था और यह अचानक



JCB चालक से बात विवाद बढ़ गया और अतुल JCB चालक पर पत्थर फेकने लगा और देखते ही देखते JCB चालक ने युवक JCB द्ध पंजे से उसे दबा मौके से

फरार हो गया। रंगनाथ थाना प्रभारी ने यह भी बताया की घायल अतुल के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर JCBचालक और JCBकी तलाश की जा रही है।

अवैध रेत का परिवहन करते ट्रैक्टर जप्त, चालक व मलिक गिरफ्तार



यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, 2 सितंबर 24 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक स्वराज कंपनी का नीले रंग का बिना नम्बर के ट्रैक्टर के ट्राली में अवैध रेत लोड कर करहीवाह तरफ से सामतपुर तरफ जा रहा है मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली अनूपपुर के सहायक उपनिरीक्षक संतोष

पाण्डेय एवं आरक्षक दीपक बुंदेला एवं आरक्षक अमित यादव द्वारा कार्यवाही करते हुए स्वराज कंपनी के नीले रंग के ट्रैक्टर जिसके ट्राली में लोड रेत करीब तीन घन मीटर, ट्रैक्टर ट्राली सहित कीमती 7000000 रुपये व रेत कीमती 5000 रुपये कुल कीमती 7,05,000 रुपये को जप्त किया गया है तथा आरोपी वाहन चालक कमलेश सिंह पिता गिरधन सिंह गोड़ उम्र 23 वर्ष निवासी खोलीटोला परसवार को गिरफ्तार किया गया जाकर आरोपी वाहन चालक कमलेश सिंह व वाहन स्वामी छत्रपाल राठौर पिता स्व. विल्ला राठौर निवासी वार्ड न. 6 सामतपुर के विरूद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 395/24 धारा 303(2), 317 (5) बी.एन.एस.4/21 खान खनिज अधिनियम,39/192,3/181,5/180,130 (3)/177 मोटर व्हीकल एक्ट का पंजीबद्ध कर कार्यवाही की जा रही है।

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 01 फार्मासिस्ट पद की नियुक्ति हेतु वॉक इन इन्टरव्यू 04 सितम्बर को

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र, जिला चिकित्सालय अनूपपुर में 01 फार्मासिस्ट पद की नियुक्ति के लिए 04 सितम्बर 2024 को वॉक इन इन्टरव्यू का आयोजन किया जाएगा। नियुक्ति प्रारंभ में छः महीने की अवधि के लिए अनुबंध के आधार पर होगा। उम्मीदवार के संविदात्मक कार्यकाल को सक्षम अधिकारी के विवेक एवं व्यक्ति के प्रदर्शन के आधार पर कम या बढ़ाया जा सकता है। फार्मासिस्ट का पारिश्रमिक जिला रेडक्रास सोसायटी द्वारा निर्धारित की जाएगी। 35 वर्ष तक के अभ्यर्थी इन्टरव्यू में भाग ले सकते हैं।

अभ्यर्थी को डी. फार्मा अथवा बी. फार्मा उत्तीर्ण होना चाहिए तथा संबंधित क्षेत्र में 02 वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए। कम्प्यूटर योग्यता वाले अभ्यर्थी को वरीयता दी जाएगी। वॉक-इन-इन्टरव्यू के लिए उपस्थित होने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रोफार्मा में आवेदन करना होगा। आवेदन फार्म कार्यालय सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय अनूपपुर के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। आवश्यक योग्यता के समर्थन में प्रमाण पत्र स्व-सत्यापित प्रति और सत्यापन के लिए मूल दस्तावेजों के साथ पासपोर्ट आकार के हालिया फोटो लाना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थी को निर्धारित तिथि पर

पंजीकरण के लिए 04 सितम्बर 2024 को दोपहर 12 बजे तक कार्यालय स्थल पर पहुंचना होगा। निर्धारित समय के पश्चात् किसी भी उम्मीदवार पर विचार नहीं किया जाएगा। नियुक्ति विशुद्ध रूप से अनुबंध के आधार पर होगी और नियुक्ति की निरंतरता या नियमितीकरण के लिए कोई दावा का अधिकार नहीं होगा। इन्टरव्यू में भाग लेने के लिए कोई टी.ए./डी.ए का भुगतान नहीं किया जाएगा। चयन उपरांत समस्त दस्तावेज के साथ चरित्र का शपथ पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। किसी भी विवाद की स्थिति में संबंधित समिति का निर्णय सभी को मान्य होगा।

स्कूल के नाम पर छात्राओं से स्कॉलरशिप के बहाने मांगी गई फोटो

परिजनों ने की थाने में शिकायत, साइबर अपराध के शक में पुलिस ने शुरू की जांच

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले माधवनगर थाना क्षेत्र डीएवी कल्डेरिज पब्लिक स्कूल के छात्राओं के पास अचानक स्कूल के शिक्षकों के नाम से सोशल मीडिया पर छात्रवृत्ति के नाम पर फोटो मांगने का मामला सामने आया है, जिससे आक्रोशित परिजन सबसे पहले स्कूल पहुंचे और उसके बाद स्कूल के शिक्षकों के साथ परिजन थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई है। इस पूरे मामले की माधवनगर के थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया की यह पूरा मामला हैकिंग का होना



पाया जा रहा है जिसमें स्कूल के ही छात्र को पहले इन लोगों ने पहले स्कूल के ही शिक्षक होने का भारत दिला और छात्रों को स्कॉलरशिप देने के बहाने से

उनसे पहले उनके नंबर से ओटीपी मंगवाई और सभी से पहले पासपोर्ट फोटो मंगाई और फोटोभेजनों के लिये जल्दबाजी करने लगे जब इसकी जानकारी

बच्चों ने परिजनों को दी जिससे परिजन आक्रोशित हो गए और सभी परिजन सीधे स्कूल पहुंच गए जिसके बाद परिजनों को पता चला की स्कूल के शिक्षकों ने इसी कोई फोटो छात्र से मंगवाई ही नहीं है जिसके बाद छात्र के परिजन स्कूल के शिक्षकों के साथ माधवनगर थाने पहुंच इसकी शिकायत की ओर इस पूरे मामले की शिकायत साइबर क्राइम विभाग को भी दी है। इस पूरे मामले में माधवनगर थाने की पुलिस समेत जिले की साइबर क्राइम की टीम में जांच में जुट गई है।

सुसाइड नोट लिख आत्महत्या की थी तैयारी, फिर

आदिवासी महिला का तीन बार गर्भपात

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खांडा स्थित पेट्रोल पंप में पेट्रोल फिलिंग का काम करने वाली 29 वर्षीय आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म किए जाने तथा परेशान होकर महिला ने एक दिन पहले सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या करने का विचार को त्यागते हुए कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज करवाई। जहां पुलिस ने आरोपी रामखेलावन राठौर निवासी खांडा के खिलाफ धारा 376, 376 (2)(एन) एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम की धारा 3(2)(व्ही) के तहत मामला दर्ज करते हुए पुलिस ने 2 सितम्बर को आरोपी को गिरफ्तार करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।



यह है मामला- ग्राम खांडा स्थित प्रेम पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप में पेट्रोल फिलिंग करने वाली 29 वर्षीय महिला ने बताया कि उसकी पहचान उसी पेट्रोल पंप में पेट्रोल फिलिंग करने वाले कर्मचारी रामखेलावन राठौर से हुई थी,

इसी दौरान रामखेलावन ने मेरे साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया, जिसके बाद मैं दो बार गर्भवती हो गई थी, जिस पर रामखेलावन ने मुझे दो बार टेबलेट लाकर दिया था, जिसे मेरा बार गर्भपात हो गया था। तीसरी बार माह अप्रैल 2024 में मेरे फिर गर्भवती हुई और फिर मुझे टेबलेट लाकर दिया गया, लेकिन यह बात मेरे पति को पता चली गई, जिसने मुझे अपने साथ रखने से मना कर दिया। जिसके बाद मैंने रामखेलावन को अपने साथ रखने की बात कही गई तो उसने मुझे नीच जाति की हो इसलिए अपने साथ नहीं रखने की बात बोली गई। शिकायत के एक दिन पूर्व

लिखी थी सुसाइड नोट- महिला ने बताया कि उसने परेशान होकर शिकायत के एक दिन पहले सुसाइड नोट लिख आत्महत्या करने का विचार किया था, लेकिन बाद में मैंने अपना मन बदलकर थाने में शिकायत करने पहुंची। उसने बताया कि मैं अनुसूचित जाति की महिला हूँ ये जानते हुए भी उसने मेरे साथ कई बार शरीरिक शोषण किया है। महिला ने बताया कि उसकी शादी लगभग 10 वर्ष पहले हुई थी, जिससे हमारे चार बच्चे हैं। पति मई माह में मुझसे लड़ाई-झगड़ा कर मुझे छोड़कर बाहर दुर्ग काम करने चला गया था। जिसके बाद मैंने प्रेम पेट्रोलियम खांडा में पेट्रोल फिलिंग कर काम करने लगी थी। इनका कहना है- महिला शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। अरविंद जैन, कोतवाली निरीक्षक अनूपपुर

अनूपपुर जिले में ऐतिहासिक श्रीकृष्ण

झूला महोत्सव का आयोजन

ब्राह्मण समाज की महिलाओं ने की एकता की मिसाल

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर जिले में इस वर्ष श्रीकृष्ण झूला महोत्सव एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में दर्ज हो चुका है। पहली बार, जिले की ब्राह्मण समाज की सभी महिलाओं ने मिलकर इस पारंपरिक पर्व को मनाया और जिले में एकता और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया। इस महोत्सव का आयोजन ब्राह्मण समाज महिलाओं के द्वारा किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मण समाज की महिलाओं के बीच आपसी सहयोग, स्नेह, और सांस्कृतिक मूल्य को बढ़ावा देना था। पूरे महोत्सव के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक झूलों की सजावट, भजन-कीर्तन, नृत्य, और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। आयोजन महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि समाज की महिलाओं को एकजुट करने और हमारी सांस्कृतिक धरोहर को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है।



सुधा मालवीय, सुनैना मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलित कर भगवान श्री कृष्ण जी की झांकी में पुष्प अर्पित की गई तथा कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं द्वारा भगवान की आरती व पूजा कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ जनों का चंदन तिलक को बैच लगाकर सम्मान व स्वागत किया गया तथा उपस्थित सभी महिलाओं का भी तिलक बंदन किया गया स्वागत उद्बोधन एडवोकेट सुधा शर्मा जी द्वारा दिया गया कार्यक्रम

में अनेक भक्ति गीतों के साथ मनमोहन सुंदर झांकियां और मनमोहक मंचीय प्रस्तुतियां भी दी गई। समस्त उपस्थित बहनों ने कार्यक्रम में भाग लिया तथा संगीत गायन व मंचीय नृत्य किया गया साथ ही सामाजिक कार्य करने समाज के विकास व एकता के विषय में तथा राधा कृष्ण की मनमोहक झांकी के विषय में प्रस्तुति कर अपना उद्बोधन व्यक्त किया गया व नारी सम्मान पर सुंदर-सुंदर कविताओं का भी

गायन किया गया। बड़े धूमधाम के साथ कार्यक्रम की प्रस्तुति व झांकियां निकल गई तथा नृत्य किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन अनूपूर्णा शर्मा व डॉक्टर आशीष प्रवीण त्रिपाठी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का आधार प्रदर्शन निर्मला मिश्रा व डॉक्टर सरोज शुक्ला द्वारा किया गया। ज्ञात हो कि इस कार्यक्रम की सम्पूर्ण तैयारी कि बागडोर महिलाओं ने महिला सशक्तिकरण का परिचय देते हुए अपने हाथों में ले रखा था।

मानव कल्याण मंच की ओर से देवबंद नगर के प्रमुख शिक्षकों को अंग वस्त्र ओढ़ाकर व अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया

एक शिक्षक दीये कि तरह खुद को जलाकर विद्यार्थियों के जीवन को सुधारता है : मुख्य अतिथि दीपक राज सिंघल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद नगर की प्रतिष्ठित व अग्रणी समाज सेवा संस्था मानव कल्याण मंच की ओर से शिक्षक दिवस से पूर्व शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन श्री रामकृष्ण योगाश्रम इंटर कॉलेज देवबंद में किया गया। कार्यक्रम में राजेन्द्र शर्मा पूर्व प्रधानाचार्य के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद, अजय वर्मा प्रधानाचार्य शिव शिशु मंदिर जूनियर हाई स्कूल देवबंद, श्रीमति चित्रा जोशी प्रधानाचार्या मेपल्स एकेडमी देवबंद, श्रीमति प्रतिभा जैन प्रधानाध्यापिका उच्च माध्यमिक विद्यालय मकबरा देवबंद को अंग वस्त्र ओढ़ाकर व अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी व के एल जनता इंटर कॉलेज के प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने शिक्षकों के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि एक शिक्षक दीये कि तरह खुद को जलाकर विद्यार्थियों के जीवन को सुधारता है। सम्मानित शिक्षक राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधा कृष्णन के जन्म दिवस जो 5 सितंबर को होता है उसको ही शिक्षक दिवस के



रूप में मनाया जाता है। दूसरे अतिथि रामशरण जी पूर्व अध्यापक एच ए वी इंटर कॉलेज ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के मध्य पुल बनाने का कार्य करते हैं। यदि हमें दो संस्कृतियों का बेहतर संबंध बनाना है तो शिक्षक उसमें महत्वपूर्ण योगदान प्रदान करता है।

मंच द्वारा सम्मानित किये गये शिक्षक अजय वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक दिवस मूलतः इसलिए मनाया जाता है ताकि हम अपने सभी शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट सकें। सम्मानित शिक्षिका श्रीमती चित्रा जोशी प्रधानाचार्या मेपल्स एकेडमी ने कहा कि एक शिक्षक राष्ट्र के निर्माण में अतुल्य योगदान देता है और कोई भी

राष्ट्र तभी सुरक्षित होता है जब उसके शिक्षक योग्य हो। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का योगदान ही है जो आज हमारा देश तेजी से सफलता के मार्ग पर अग्रसर है। आज विश्व भर में भारतीय हर क्षेत्र में अपना नाम व अपने देश का नाम रोशन कर रहे हैं। आज विश्व में अधिकतर डॉक्टर, कम्प्यूटर इंजीनियर, शिक्षक, वकील व व्यवसायी भारतीय

ही है। सम्मानित शिक्षिका श्री मति प्रतिभा जैन ने अपने संबोधन में कहा कि आज हमारा देश जिस मुकाम पर है बिना शिक्षकों के हम यहां तक नहीं पहुंच सकते थे। मानव कल्याण मंच महिला मंडल की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती शशि गुगलानी ने कहा कि कहा कि मंच बधाई का पात्र है कि पिछले 29 वर्षों लगातार नगर में सेवा कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक का स्थान ईश्वर से भी सर्वोपरि होता है। कार्यक्रम में महिला मंडल सचिव पूजा छबड़ा ने कविता के माध्यम से शिक्षकों की प्रशंसा की। अंत में सभी अतिथियों व सम्मानित शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए अपने संबोधन में मंच संस्थापक अरुण अग्रवाल ने कहा कि शिक्षक अपने शिष्य के जीवन के साथ-साथ उसके चरित्र निर्माण में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं कहा जाता है कि मनुष्य की सबसे पहले गुरु उसकी मां होती है जो अपने बच्चों को जन्म देने के साथ- साथ उनका पालन करती है जबकि शिक्षक उनको ज्ञान व शिष्टाचार सिखाता है और ये सत्य है कि गुरु ब्रह्मा गुरु विष्णु गुरु देवो महेश्वरा द्यद्य गुरु सक्षात परब्रह्मा तस्मै श्री गुरुवे नमः द्यद्य गुरु जीवन

प्रदान करने के साथ-साथ जीवन के आधार का ज्ञान भी देता है। शिक्षक ही व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करता है। मानव कल्याण मंच के वर्तमान अध्यक्ष राजीव शर्मा ने बताया कि आज कंप्यूटर क्रांति के दौर में शिक्षकों का अध्यापन कार्य बहुत चुनौती भरा हो गया है। चुनौती के इस समय में भी शिक्षक अपना कार्य मेहनत व लगन के साथ कर रहे हैं और इसके लिए सभी शिक्षक बधाई के पात्र हैं। मंच महासचिव सुशील कर्णवाल ने वर्ष भर चलने वाले कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन राजीव शर्मा ने किया। कार्यक्रम की मुख्य सहयोगी श्रीमती अनीता बंसल रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष

प्रमोद मित्तल, नरेंद्र बंसल, उपाध्यक्ष राजू सैनी, राजकुमार जाटव, जितेंद्र कश्यप, सुशील कर्णवाल, संजय सैनी, अमन गोयल, चंद्र प्रकाश गाबा, यश बंसल, अमित गर्ग बिदू, रविंद्र कश्यप एडवोकेट, सुनील बंसल, श्रीमती अनीता बंसल, मीनू शर्मा, पूजा छबड़ा, पूनम कौशिक, रीता सिंह, ममता वर्मा, हरविंद कोर, अंजलि त्यागी, चांदनी आदि उपस्थित रहे।

कब्जे से 60000/- रु. की जाली भारतीय मुद्रा, दो मोबाइल फोन, 4700 रु. की असली भारतीय मुद्रा, 01 हुंडई वर्ना कार व अन्य सामान हुआ बरामद

पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले दो शांति अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। सहारनपुर जनपद की थाना कुतुबशेर पुलिस ने नकली नोटों की तस्करी करने वाले दो शांति अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 60000/- रु0 की जाली भारतीय मुद्रा, दो मोबाइल फोन, 4700 रु0 की असली भारतीय मुद्रा, 01 हुंडई वर्ना कार व अन्य सामान बरामद हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना कुतुबशेर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान नकली नोटों की तस्करी करने वाले दो शांति अभियुक्तों विजय कुमार पुत्र रमेश चंद निवासी कमला नगर नियर



रविदास आश्रम थाना फरकपुर राज्य हरियाणा, मुकेश पुत्र सोमप्रकाश निवासी ग्राम मनोहरपुर थाना सदर बाजार जिला सहारनपुर को बड़ी नहर पुल अंबाला रोड से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार

अभियुक्तों के कब्जे से 60000/- रु0 की जाली भारतीय मुद्रा, दो मोबाइल फोन, 4700 रु0 की असली भारतीय मुद्रा, 01 हुंडई वर्ना कार व अन्य सामान बरामद हुआ है।

राजकीय मेडिकल कॉलेज में लगेंगे सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा के दृष्टिगत स्थापित होगा कन्ट्रोल रूम, बनेगी पुलिस चौकी : डीएम

मरीजों को देखने आने वालों के लिए बनेगा विजिटर पास

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल की अध्यक्षता एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण की उपस्थिति में उनके कार्यालय कक्ष में राजकीय मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक व्यवस्थाओं पर निर्णय लिया गया। डीएम मनीष बंसल ने बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में प्रवेश और निकासी द्वारा पर अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। उन्होंने अपर जिलाधिकारी प्रशासन, एसपी देहात तथा प्रधानाचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज को संयुक्त रूप से कॉलेज का निरीक्षण कर आवश्यकतानुसार सीसीटीवी कैमरे एवं लाइट्स के स्थान चिन्हित कर संस्तुति के साथ रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश



दिए ताकि महिलाओं की सुरक्षा के लिए उचित कदम उठाया जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि राजकीय मेडिकल कॉलेज के मेन गेट पर 112 पीआरबी तैनात की जाएगी जो रात्रि में मेडिकल कॉलेज परिसर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित

कराएगी। इसी के साथ मेडिकल कॉलेज परिसर में एक पुलिस चौकी एवं एक कन्ट्रोल रूम बनाया जाएगा जो 24 ग 7 संचालित रहेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, प्रधानाचार्य राजकीय मेडिकल कॉलेज डॉ0 सुधीर राठी उपस्थित रहे।

भक्तों का मंगल करने निकले मंगलनाथ महादेव जगह-जगह हुई पूजा अर्चना



भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, राजराजेश्वरी माता मंदिर परिसर स्थित भगवान मंगलनाथ शाही ठाठ-बाट के साथ नगर भ्रमण पर निकले, जिनके दर्शन पाने के लिए हर कोई आतुर दिखाई दिया। शाम लगभग 6 बजे मंदिर से प्रारंभ हुई सवारी नगर के विभिन्न मार्गों से निकली जिसका जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। बाबा की सवारी में झांकियां भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। परंपराानुसार मंगलवार को भगवान मंगलनाथ महादेव अपने भक्तों का मंगल करने के लिए शाही अंदाज में नगर भ्रमण पर निकले। शाम को बाबा की

सवारी शुरू होने पर सड़कों के दोनों ओर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चे बाबा के दर्शनों के लिए आतुर दिखाई दिए। बाबा मंगलनाथ की शाही सवारी में स्थानीय भजन मंडलियों के साथ बडनगर का प्रकाश ब्रास बैंड, कड़ावीन तोप उज्जैन, रतलाम की अर्जुन राणा ढोल पार्टी, शाजापुर ढोल पार्टी, मलखंब का प्रदर्शन, बाबा श्याम की झांकी, उज्जैन के कलाकारों द्वारा महादेव और हनुमान जी की जीवंत झांकी का प्रदर्शन प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा। शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए सवारी देररात पुनः मंदिर पहुंची जहां बाबा की महाआरती कर प्रसादी



का वितरण किया गया। **सुख-समृद्धि के लिए किया नमन-** जैसे ही मंगलनाथ बाबा नगर भ्रमण पर निकले वैसे ही भक्त उनके स्वागत और दर्शन के लिए उमड़ पड़े, जिसके चलते एबी रोड से लेकर सवारी मार्ग पर चारों ओर भक्तों की भीड़ दिखाई दी। सवारी में जहां सैकड़ों भक्त शामिल होकर शिव धुन पर थिरके तो वहीं सैकड़ों महिलाएं और पुरुष बाबा के दर्शन के लिए सड़क के दोनों ओर खड़े रहे। सवारी का जगह-जगह स्वागत किया गया। साथ ही महिलाओं ने सुख-समृद्धि की कामना को लेकर बाबा को नमन पूजन किया। वहीं सवारी के

स्वागत हेतु नगर भी पहले से सज गया था। नगर के प्रमुख चौराहों पर विभिन्न संगठनों व भक्तों द्वारा सैकड़ों स्वागत मंच लगाकर सवारी मार्ग को फूलों से पट दिया गया, जिस मार्ग से सवारी गुजरती वहां सवारी को निहारने के लिए भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ता। हर कोई बाबा की एक झलक पाने को आतुर था। सवारी में सुमधुर भजनों की प्रस्तुति ने माहौल को शिवमय कर दिया, जिस पर सवारी में उपस्थित भक्तजन पूरे रास्ते झूमते रहे। सवारी में मंगलनाथ महादेव समिति के सदस्यों सहित नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत, 2 घायल

मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु पहुंचे चिकित्सालय

एजाज अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, मेड़ता सिटी में आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई वहीं दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायल हो तथा मृतक को 108 एंबुलेंस की सहायता से मेड़ता सिटी के सामुदायिक चिकित्सालय ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु भी मेड़ता चिकित्सालय पहुंचे तथा घायलों की कुशलक्षेम पूछी व मृतक के परिजनों को गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ढाढस बंधाया । मिली जानकारी के



अनुसार मेड़ता सिटी पुलिस थाना के सामने घोसीवाड़ा में आकाशीय बिजली गिरने से एक व्यक्ति की

मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। 108 एंबुलेंस के ड्राइवर हरेन्द्र तेतरवाल ने बताया कि मृतक

की पहचान ओमप्रकाश मेघवाल, निवासी मोरा के रूप में हुई है, जबकि घायलों में सीता और रामरतन अंदाराम शामिल हैं। घायलों को मेड़ता अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें इलाज दिया जा रहा है। वहीं मृतक का पोस्टमार्टम कर शो परिजनों को सौंप दिया गया है। इस दौरान मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु ने घायलों का हालचाल जानने के लिए हॉस्पिटल पहुंच गए। उन्होंने घायलों के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और आवश्यक सहायता प्रदान कराने का आश्वासन दिया।

लालबर्गा में 30 बिस्तर अस्पताल की सौगात, विधायक मुंजारे का आभार- शैलेश केकती

विधायक अनुभा मुंजारे तहसीलदार, बीएमओ, इंजीनियर व जनप्रतिनिधियों ने किया स्थल निरीक्षण

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्गा, तहसील मुख्यालय लालबर्गा को 30 बिस्तर अस्पताल की बड़ी सौगात मिलने पर छेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे जी का आभार जताते हुए लालबर्गा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के विधायक प्रतिनिधि शैलेश केकती ने बताया कि छेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग थी कि लालबर्गा अस्पताल को बड़ा कर उसमें सुविधाओं का विस्तार किया जाए जिस पर छेत्रीय विधायक

श्रीमती अनुभा मुंजारे जी द्वारा विगत विधानसभा सत्र भोपाल में इस मुद्दे को पुरजोर तरीके से सदन के सामने अपनी बात रखी थी परिणामतः लालबर्गा को 30 बिस्तरों वाले नए अस्पताल भवन की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिसके स्थल चयन हेतु विधायक अनुभा मुंजारे, लालबर्गा सरपंच अनीस खान, तहसीलदार श्री संजय बारसकर, मेडिकल ऑफिसर डॉ० ऋतिक पटेल, पटवारी श्री अडुमे, मेडिकल विभाग उपयंत्री दीपि बिसेन, सहित स्टॉप

की उपस्थिति में लालबर्गा में नवीन अस्पताल भवन निर्माण हेतु बैठक कर भूमि स्थल का निरीक्षण किया गया सभी की मंशा अनुसार ड्राईंग तैयार कर पुराने व जीर्णोद्धार अस्पताल को डिस्मेंटल कर उसी स्थान पर नवीन ड्राईंग तैयार करने के लिए इंजीनियर से कहा गया है साथ ही तहसीलदार लालबर्गा से उक्त भूमि का सीमांकन व नक्सा खसरा मेडिकल विभाग को तत्काल उपलब्ध कराने कहा गया है, इस अवसर पर

नितिन सांखला, निराला सिंह बघेल, आनंद बिसेन, मथुरा प्रशाद बिसेन, रूपसिंह उडके, सहित मेडिकल स्टॉप व राजस्व विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे, लालबर्गा हॉस्पिटल के विधायक प्रतिनिधि व पूर्व जनपद पंचायत सदस्य शैलेश केकती ने बताया कि विधायक अनुभा मुंजारे जी द्वारा लालबर्गा को 30 बिस्तरों वाले अस्पताल की सौगात दिलाये जाने पर सम्पूर्ण छेत्र में हर्ष व्याप्त है।



6 दिन संस्कृत की बारीकियां जानेंगे शिक्षक
कहा- संस्कृत ही सभी भाषाओं की है जननी

एजाज़ अहमद उस्मानी । मेड़ता रोड, मेड़ता के राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत स्कूल में 6 दिन तक टीचर्स संस्कृत की बारीकियां जानेगे। जहां संस्कृत संभाषण आधारित प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ है। जिसमें संस्कृत भाषा के एक्सपर्ट की ओर से संस्कृत का गहन ज्ञान टीचर्स को दिया जाएगा।शिविर प्रभारी डॉ. महेन्द्र पारीक ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य सभी विषयों के अध्यापकों को संस्कृत भाषा का ज्ञान होना है, क्योंकि संस्कृत ही सभी भाषाओं की जननी है। ऐसे में संस्कृत का सामान्य ज्ञान सभी विषयों के अध्यापकों को होना जरूरी है। यहां होने वाले शिविर में संस्कृत विषय के अध्यापकों को यहीं बात सीखाई जाएगी कि किस तरह से वह स्टूडेंट्स को संस्कृत सीखाने के साथ-साथ अन्य सब्जेक्ट के टीचर्स को भी संस्कृत में एक्सपर्ट बना सकते



हैं।दक्ष प्रशिक्षक मुकुंदशरण उपाध्याय एवं सतीश पाटीदार ने प्रशिक्षुओं को संस्कृत की महत्ता एवं कई बारीकियों से रूबरू करवाया। शिविर में संस्कृत शिक्षक संघ अजमेर संभाग अध्यक्ष श्रवण लाल जाट ने अपने उद्धार में देवभाषा को ही अन्य भाषाओं की जननी बताया। शिविर में अजमेर, भीलवाड़ा,

टोंक सहित अन्य जिलों के प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे। इससे पहले मुख्य अतिथि लघु उद्योग भारती मेड़ता इकाई अध्यक्ष राम अवतार चितलांगिया, पालिका के कनिष्ठ अभियंता सरफराज अंसारी, केन्द्राधीक्षक शिवराज विश्‍नोई की ओर से भी इस शिविर में व्यवस्थाओं और शिविर के महत्व के बारे में बताया गया।

एजाज़ अहमद उस्मानी । सिटी चीफ मेड़ता रोड, उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने मंगलवार को मेड़ता रोड-फुलेरा रेल खंड का सेफ्टी निरीक्षण कर संरक्षा मानकों की जांच की। डीआरएम ने जोधपुर से मंडल के अधिकारियों की टीम के साथ मेड़ता रोड तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को रेल लाइनों के उचित रखरखाव , पर्याप्त पेट्रोलिंग और सिग्नल सिस्टम को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। बाद में उन्होंने सांभर,गुढा,गोविंदी मारवाड़,नावां सिटी,खेडूली और मेड़ता रोड रेलवे स्टेशनों पर संरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की और सुरक्षित रेल संचालन से जुड़े सभी उपकरणों और प्वाइंट क्रॉसिंग के साथ-साथ यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा उनके संरक्षण व उन्नयन पर बल



दिया।इस दौरान उन्होंने गोविंदी मारवाड़ व नावां सिटी रेलवे स्टेशनों पर विशेष रूप से लोडिंग गुड्स शेड्स का निरीक्षण किया तथा उनमें सभी जरूरी सुविधाएं

उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण दौरे में डीआरएम के साथ वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक विकास खेड़ा,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(पूर्व) मनोहर

सिंह,वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक लोकेश कुमार सिंह,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर संकेत व दूरसंचार अनुपम कुमार इत्यादि अधिकारी व निरीक्षक भी थे।

जनसुनवाई में 128 आवेदन प्राप्त



शाजापुर मुख्यमंत्री जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत आज संपन्न हुई जनसुनवाई में 128 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कलेक्टर सुश्री ऋषु बाफना ने की। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बीएस सोलंकी, संयुक्त कलेक्टर श्री सत्येन्द्र प्रसाद सिंह एवं अनुविभागीय अधिकारी सुश्री मनीषा वास्करले ने भी जनसुनवाई में उपस्थित आवेदकों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर द्वारा अनास नदी स्टॉप डेम के ऊपर से बही बालिकाओं के परिजनों से मुलाकात की

संवेदनशील होकर कार्य करे साथ ही दोनों बालिकाओं का आर्थिक सहायता का प्रकरण जल्द से बनाये-कलेक्टर

झाबुआ
दोनों बालिकाओं को रेडक्रॉस की ओर से 20000 की आर्थिक सहायता देने के निर्देश

कलेक्टर नेहा मीना द्वारा अनास नदी पिपलिया काकराडूंगर (ढेवर) स्टॉप डेम के ऊपर से बही बालिकाओं के परिजनों से मुलाकात की गयी और उनके दु:ख के समय में ढांढस बंधाया। उनके द्वारा गाँव के युवा वर्ग और समस्त नागरिको से आग्रह किया कि सामुहिक जिम्मेदार ले और इस प्रकार नदी पार करने का जोखिम ना उठाये और ढेवर गाँव से जाने वाले रास्ते का प्रयोग करे। जैसा कि विदित है कल शाम को अनास नदी पिपलिया काकराडूंगर (ढेवर) स्टॉप डेम के ऊपर से 5



व्यक्तियों के निकलने के दौरान बह गये थे जिसमें से तीन बच गये एवं दो बालिकाओं के सर्च ऑपरेशन सतत जारी रहा। आज एक बालिका का शव प्राप्त किया जा चुका है।

कलेक्टर द्वारा पूरे अमले से संवेदनशील होकर कार्य करे साथ ही दोनों बालिकाओं को रेडक्रॉस की ओर से 20000-20000 की आर्थिक सहायता देने हेतु निर्देशित किया साथ ही

आर बी सी 6- 4 का प्रकरण का जल्द से जल्द बनाये जाने हेतु और बची हुई एक बालिका का सर्च ऑपरेशन जारी रखने हेतु निर्देशित किया।

जनसुनवाई में 94 आवेदकों ने बताई अपनी समस्याएं

अधिकारियों ने दिये निराकरण करने के निर्देश

खरगोन

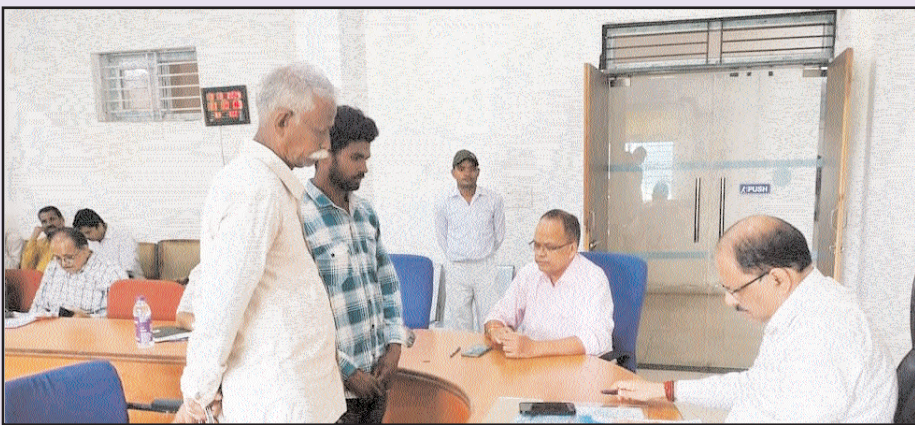
प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 03 सितंबर को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इसमें अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर एवं डिप्टी कलेक्टर श्री सत्येन्द्र बैरवा ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में 94 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर आए थे। जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में बालाजी हाईटेक सीटी खरगोन के कॉलोनीवासी शिकायत लेकर आये थे कि उनकी कॉलोनी में सीवरेज लाईन एवं ट्रांसफार्मर की समस्या है।



सीवरेज लाईन से गंदा पानी और मल ओवरफ्लो होकर बहते रहता है, जिससे कॉलोनी में बदबू आती है और मच्छर पैदा हो रहे हैं। कॉलोनी में बिजली सप्लाई के लिए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं, लेकिन इनकी सुरक्षा के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है। अतः उनके कॉलोनी की इन समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराया जाए। कसरावद तहसील

के ग्राम बरसलाय निवासी सुनिल यादव शिकायत लेकर आये थे कि उनके खेत में लगा ट्रांसफार्मर जल गया है। उनके द्वारा इसकी शिकायत बिजली विभाग को की गई है। लेकिन अब तक कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ट्रांसफार्मर जल जाने के कारण खेती में उन्हें बहुत नुकसान हो रहा है। अतः ट्रांसफार्मर को सुधरवाने का कार्य शीघ्र कराया

जाए। जनसुनवाई में महेश्वर तहसील के ग्राम खराड़ी के निवासी नरसिंग पिता श्यामा शिकायत लेकर आये थे कि ग्राम मातदां में उनके खेत में सीमेंट कांक्रीट का 35 से 40 फीट गहरा कुआ खोदा हुआ है। अति वर्षा के कारण यह कुआ धसक गया है। जिसके कारण वह अपने खेत में लगी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहा है।



अलीराजपुर कलेक्टर डॉ अभय अरविंद बेडेकर ने जनसुनवाई में अलीराजपुर जिले के नागरिकों की समस्याओं के आवेदन लिए एवं संबंधित अधिकारियों को तत्काल समस्या निवारण के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने भीमपुर में 101 प्रकरणों पर की जनसुनवाई

ग्राम डोरी, खामापुर, आदर्श धनोरा में नल जल योजनाओं का किया निरीक्षण

बैतूल

जनसुनवाई मात्र औपचारिकता नहीं गंभीरता पूर्वक शिकायतों का निराकरण करें। यह बात कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को भीमपुर के मंगल भवन में आयोजित जनसुनवाई के संदर्भ में अधिकारियों से कही। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप राज्य शासन द्वारा जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की छोटी बड़ी समस्याओं का निराकरण करना है। जनसुनवाई के तहत 101 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को 7 दिनों में प्राप्त आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भैंसदेही श्री शैलेन्द्र हनोतिया, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भीमपुर श्री अभिषेक वर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने ग्रामीणों से कहा कि प्रत्येक मंगलवार को विकासखंड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है, जिससे बैतूल जिला स्तर पर जनसुनवाई में आकर ग्रामीणों को अनावश्यक परेशान नहीं होना पड़ेगा। ग्रामीण विकासखंड स्तर पर ही अपनी समस्याओं का निदान करा सकेंगे। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने विकासखंड अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्राम स्तरीय कार्यालय का सतत दौरा करते रहे। कार्यालय में सभी की उपस्थिति प्रातः 10 बजे

सुनिश्चित कराए। भ्रमण के दौरान निरीक्षण टोप अंकित करने के निर्देश विभागीय अधिकारी को दिए गए।

खामापुर एवं आदर्श धनोरा में नल जल योजना का किया निरीक्षण जनसुनवाई में पीएचई विभाग के अधिक आवेदन प्राप्त होने पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी एकाएक सीधे मौका स्थल पर योजना का क्रियान्वयन देखने ग्राम डोरी, ग्राम खामापुर, आदर्श धनोरा पहुंचे। इस दौरान जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजनाओं का निरीक्षण कर नल जल से पानी प्राप्त होने की स्थिति की ग्रामीणों से चर्चा की। निरीक्षण के दौरान नल जल से ग्रामीणों को पानी प्राप्त नहीं होने तथा कार्य समय सीमा में पूर्ण नहीं किए जाने

पर पीएचई विभाग व ठेकेदार को कड़ी फटकार लगाई तथा 3 दिवस में तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूर्ण करने के निर्देश पीएचई विभाग के अधिकारियों को दिए। विभाग से संबंधित शिकायत एजेंसी मेसर्स कोठारी इन्फ्रास्ट्रक्चर, खंडवा के द्वारा 12 ग्रामों में कार्य किया जा रहा है। जिसमें पलासपानी, डोरी, खामापुर, बेला, बक्का, टिटवी, बाटलाकला, देसली इन ग्रामों मे पेयजल चालू न करने पर शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत को कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा तत्काल संज्ञान में लिया गया। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी द्वारा ठेकेदार को फटकार लगाते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को भी 7 दिनों में विद्युत कार्य पुर्ण कर पेयजल प्रारंभ कराए जाने के निर्देश



दिए, अन्यथा की स्थिति मे ठेकेदार पर शासकीय कार्यवाही की जायेगी। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने कृषि देशमुख एजेंसी शाहपुर के

कार्य का निरीक्षण किया, जिसके आदर्श धनोरा के नल जल योजना का कार्य 03 वर्ष से अधुरा है।

रेगिस्तानी इलाकों से लेकर पहाड़ों तक के लिए आफत की बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। पूरे देश में मानसून की एक बार फिर से अलग-अलग इलाकों में सक्रियता आ गई है। जाते हुए मानसून की इस सक्रियता के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश से बड़ी आफत आ सकती है। इसमें गुजरात और राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में बाढ़ से लेकर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन से क्लाउड बस्ट का खतरा बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले सोमवार तक के लिए अलग अलग इलाकों में तेज बारिश का अनुमान है। दरअसल लो प्रेशर का माहौल बना हुआ है। इसके चलते ही अगले कुछ दिनों एक अचानक मौसम में तब्दीली देखे जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले एक सप्ताह के भीतर राजस्थान और गुजरात के रेगिस्तानी इलाकों में तेज बारिश का अनुमान बन रहा है। विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा के मुताबिक नॉर्थ वेस्ट के समुद्री इलाओं में लो प्रेशर का एरिया बन रहा है। इसके चलते अगले कुछ दिनों में तेज हवा के साथ भारी बारिश का माहौल बन रहा



है। मौसम विभाग का अनुमान है कि शुरुआत में उत्तरी राजस्थान के हिस्से में

तेज बारिश हो सकती है। जबकि इसी राज्य के हिस्सों खासकर पश्चिमी हिस्से

में भी इसी सप्ताह के आखिर में तेज बारिश हो सकती है। यह इलाका

रेगिस्तानी इलाका है।

गुजरात के अलग-अलग हिस्सों मे भी तेज बारिश के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक, सिर्फ राजस्थान ही नहीं बल्कि गुजरात के अलग अलग हिस्सों मे भी तेज बारिश के हालात बन रहे हैं। इसमें सौराष्ट्र के इलाके में तेज बारिश और हवाओं की दशाएं बन रहीं हैं। विभाग के मुताबिक कच्छ के रेगिस्तानी इलाकों में बाढ़ जैसी परिस्थितियां बन रहीं है। दरअसल बीते सप्ताह भटकी हुई हवाओं के चलते गुजरात और राजस्थान में तेज बारिश शुरू हुई थी। इस वजह से इस इलाके में बारिश के चलते भारी नुकसान और तबाई मच गई है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक इस सप्ताह भी इन इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। इस वजह से संबंधित राज्य में मौसम का अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली और एनसीआर में तेज बारिश के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू कश्मीर से लेकर हिमाचल प्रदेश और उत्तरप्रदेश

से लेकर हरियाणा समेत देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर में तेज बारिश के आसार बन रहे हैं। विभाग के अनुमान के मुताबिक सेंट्रल पाकिस्तान से बहने वाली हवाएं समुद्री सतह से डेढ़ किलोमीटर ऊपर बह रही हैं। जो कि कम दबाव के चलते इन राज्यों में भारी बारिश की परिस्थितियां बना रहीं हैं। अनुमान यही लगाया गया है कि 5 सितंबर से यह लो प्रेशर बनना शुरू होगा उसके बाद ही इन इलाकों में कहीं तेज तो कहीं कम बारिश होगी।

पहाड़ों पर तेज बारिश के हालात

मौसम वैज्ञानिक अरुण कुमार कहते हैं कि जिस तरह की परिस्थितिया लो प्रेशर की बन रही हैं उससे पहाड़ों पर भी तेज बारिश के हालात बने हैं। इन दशाओं में पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और क्लाउड बस्ट जैसी घटनाएं भी देखी जा सकती हैं। कुमार के मुताबिक आने वाले सोमवार तक देश के मध्य, पश्चिम और उत्तर पश्चिम के इलाकों में बारिश होगी। इसमें दिल्ली से लेकर एनसीआर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के इलाका भी शामिल है।

राजनाथ सिंह ने 10 प्रस्तावों पर लगाई मुहर

सेना को 1.45 लाख करोड़ के रक्षा उपकरणों की खरीद की मंजूरी

सभी इलाकों की क्षमता, बहुस्तरीय

सुरक्षा, सटीक और घातक स्थिति पर काबू पाने और वास्तविक समय पर जागरूकता के साथ काम कर सकेंगे। इसके अलावा वायु रक्षा अग्नि नियंत्रण रडार की खरीद पर सहमति जताई गई। यह रडार हवाई लक्ष्यों का पता लगाकर उनको ट्रैक करेगा। साथ ही फायरिंग समाधान देगा। इस प्रस्ताव को फॉरवर्ड रिपेयर टीम (ट्रैकड) के लिए भी मंजूरी दे दी गई है। यह उपकरण बख्तरबंद वाहन निगम लिमिटेड द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है। साथ ही मैकेनाइज्ड इन्फेंट्री बटालियन और बख्तरबंद रेजीमेंट दोनों के लिए अधिकृत है। इसके अलावा बैटक में भारतीय तटरक्षक बल की क्षमताओं को बढ़ाने के

लिए तीन प्रस्तावों पर सहमति बनी। इसमें डोर्नियर-228 विमान जो खराब मौसम में उच्च परिचालन सुविधा के साथ अगली पीढ़ी के तेज गश्ती जहाज हैं। गश्ती जहाजों की खरीद से समुद्री क्षेत्र, खोज एवं बचाव और आपदा राहत अभियान के दौरान आईसीडी की निगरानी, गश्त करने की क्षमता में वृद्धि होगी। बैटक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिवंगत भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक राकेश पाल के निधन पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि डीजी राकेश पाल का 18 अगस्त को चेन्नई में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। इस दौरान रक्षा मंत्रालय और परिषद के तमाम अफसर मौजूद रहे।

आठ दिन की सीबीआई हिरासत में भेजे गए आरजी कर अस्पताल के पूर्व प्राचार्य

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल

कॉलेज में वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को सीबीआई की विशेष अदालत ने आठ दिनों की हिरासत में भेजा। सीबीआई मंगलवार दोपहर बाद घोष को निजाम पैलेस के सीबीआई दफ्तर से बाहर निकालकर अलीपुर की विशेष सीबीआई अदालत में ले गई। सीबीआई ने अदालत से संदीप की 10 दिनों की हिरासत की मांग की। केंद्रीय जांच एजेंसी का

दावा है कि वित्तीय भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार संदीप को उनके हिरासत में लेकर पृछताछ की जरूरत है। सीबीआई ने अदालत को बताया कि एक बड़ा वित्तीय भ्रष्टाचार चक्र है और यह जानना आवश्यक है कि इस चक्र में कौन-कौन शामिल हैं। सीबीआईआई की सारी बातें सुनने के बाद कोर्ट ने संदीप घोष को आठ दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। इस दौरान अदालत के आसपास वकीलों ने विरोध प्रदर्शन किया।

10 साल तक अजनबियों से बुजुर्ग पत्नी का करवाया रेप, ऐसे दूढ़ता था ग्राहक

डेस्क। अपराध का एक अत्यंत भयावह और दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें एक 71 वर्षीय बुजुर्ग व्यक्ति पर आरोप है कि उसने अपनी 72 वर्षीय पत्नी के साथ 10 साल तक अजनबियों से रेप करवाया। फ्रांस के इस व्यक्ति ने अपनी पत्नी को नशीली दवाएं देकर बेहोश कर दिया और फिर अजनबियों को ऑनलाइन दूढ़कर उन्हें अपनी पत्नी के साथ रेप करने के लिए बुलाया। यह मामला सितंबर 2020 में तब सामने आया जब आरोपी डोमिनिक पी. को एक सिक्योरिटी गार्ड ने एक शॉपिंग सेंटर में तीन महिलाओं के साथ अश्लील हरकत करते हुए पकड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसकी जांच शुरू की और उसके कंप्यूटर से सैकड़ों अश्लील तस्वीरें और वीडियो बरामद किए, जिनमें उसकी पत्नी बेहोशी की हालत में दिखाई दी। इन वीडियो और तस्वीरों में दर्जनों ऐसे वीडियो थे, जिनमें इस बुजुर्ग महिला के साथ रेप हो रहा था।

डोमिनिक पी. फ्रांस की सरकारी बिजली कंपनी श्वेन्नर का पूर्व कर्मचारी है। उसने स्वीकार किया कि वह अपनी पत्नी को नशीली दवाएं देकर बेहोश करता था और फिर ऑनलाइन वेबसाइट्स के जरिए अजनबियों को बुलाकर उनकी पत्नी के साथ रेप करवाता था। पुलिस ने इस मामले में 72 पुरुषों द्वारा कुल 92 बार किए गए रेप की गिनती की है, जिनमें से 51 की पहचान हो चुकी है। इन



आरोपियों की उम्र 26 से 74 साल के बीच है। इनमें फोर्कैलिप्ट ड्राइवर, फायर ब्रिगेड अधिकारी, कंपनी बॉस, और एक पत्रकार भी शामिल हैं। महिला के वकीलों का कहना है कि पीड़िता को ऐसी नशीली दवाएं दी जाती थीं कि वह पूरी तरह बेहोश हो जाती थीं और उन्हें इस बात की कोई जानकारी नहीं होती थी कि उनके साथ क्या हो रहा है। इस दर्दनाक स्थिति का पता महिला को 10 साल बाद 2020 में चला। इसके बाद महिला ने न्यायालय से आग्रह किया कि इस मामले की सुनवाई सार्वजनिक होनी चाहिए ताकि लोग जागरूक हो सकें और इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। महिला के वकील ने कहा कि यह मुकदमा उनके लिए एक भयावह परीक्षा की तरह है, जिसे उन्हें इस उम्र में झेलना पड़ रहा है। महिला अपने तीन बच्चों के साथ कोर्ट पहुंचीं और उन्होंने सभी को इस अपराध

के बारे में जानने का आग्रह किया। डोमिनिक पी. ने बताया कि जब वह 9 साल का था, तो एक पुरुष नर्स ने उसका यौन उत्पीड़न किया था। उसने स्वीकार किया कि उसने जो किया वह गलत और अहम्य है, और यह उसके लिए एक प्रकार की लत बन गई थी। गौरतलब है कि इस व्यक्ति पर 1991 में भी हत्या और रेप का आरोप लगा था, जिससे उसने इंकार किया था। इसके अलावा, 1999 में भी उस पर रेप की कोशिश का एक और आरोप लगा था, जिसे डीएन टेस्ट के बाद उसने स्वीकार कर लिया था। इस मामले के सामने आने के बाद फ्रांस में महिलाओं ने काले कपड़े पहनकर कोर्ट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। यह मामला समाज में बढ़ती यौन हिंसा और मानवता की गिरती नैतिकता को उजागर करता है, जिससे लोगों में गहरा आक्रोश फैल गया है।

नई दिल्ली। सीएपीएफ के तहत कई अर्धसैनिक बलों में विभिन्न वर्गों में पदोन्नति को लेकर बड़ा संकट है। कैडर रिव्यू और पदोन्नति को लेकर अदालतों में मामले चल रहे हैं। सीआरपीएफ और बीएसएफ में सिपाही से लेकर निरीक्षक तक और कैडर अफसर, खासतौर पर सहायक कमांडेंट, पदोन्नति के लिए परेशान हैं। ताजा मामला, सीआईएसएफ का है। दिल्ली हाईकोर्ट ने गत सप्ताह सीआईएसएफ में इंस्पेक्टर (एग्जीक्यूटिव) और सहायक कमांडेंट (एग्जीक्यूटिव) की पदोन्नति को लेकर अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट के समक्ष बताया गया कि सीआईएसएफ में इंस्पेक्टर से सहायक कमांडेंट बनने की योग्यता 5 वर्ष है, मगर पदोन्नति मिलने में 19 साल लग रहे हैं। दिल्ली हाईकोर्ट में जस्टिस रेखा पल्ली और जस्टिस शैलेंद्र कौर की

बदलापुर केस में बॉम्बे हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी- ठोस मामला बनाएं

मुंबई। महाराष्ट्र के बदलापुर में स्कूल की दो बच्चियों के साथ अटेंडेंट के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में आज बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान जांच कर रही पुलिस टीम से मंगलवार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि वे एक ठोस मामला बनाएं और जनता के दबाव में आकर जल्दबाजी में आरोप पत्र दाखिल न करें। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने इस दौरान यह भी कहा कि लड़कों को संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति डेरे ने



खंडपीठ ने गृह मंत्रालय/सीआईएसएफ को आदेश दिया है कि चार माह में पदोन्नति के रास्ते खोजें। इस मामले में यूपीएससी/डीओपीटी के द्वारा समय-समय पर जारी कार्यालय ज्ञापन के आधार पर मामले को निपटारा करें। सीआईएसएफ में याचिकाकर्ता दिवाकर पांडे एवं अन्य के मामले में यह फैसला

सुनाया गया है। अदालत के समक्ष कहा गया है कि इंस्पेक्टर से सहायक कमांडेंट बनने में लंबा वक्त लग रहा है। पदोन्नति में ठहराव आ गया है। सरकार की तरफ से पदोन्नति न होने का एक कारण यह भी बताया गया कि सहायक कमांडेंट की वैकेंसी कम हैं, इसलिए इंस्पेक्टर की पदोन्नति में 19 से 20 साल का वक्त लग

रहा है। नियमानुसार, पांच साल में इंस्पेक्टर, पदोन्नति के लायक हो जाता है। सरकारी पक्ष के वकीलों ने कहा, कैडर रिव्यू हो रहा है। तीन सप्ताह में यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि यूपीएससी/डीओपीटी के नियमों के अनुसार, इस प्रक्रिया को पूरा किया जाए। यूपीएससी/डीओपीटी द्वारा इस संबंध में समय-समय पर कार्यालय ज्ञापन जारी किए जाते हैं। पदोन्नति के मामले में इतना लंबा ठहराव, नजरअंदाज नहीं कर सकते। रेस्पोंडेंट के जरिए एग्जीक्यूटिव कैडर में सीआईएसएफ को कहा गया है कि वह पदोन्नति के नए रास्ते खोजें। चार माह के अंदर यह काम पूरा करें। इसके बाद भी कोई परेशानी आती है तो हमें बताएं। इस मामले में संसदीय कमेटी की रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है।

आदमी का गुस्सा फूट पड़ा। अदालत ने कहा, यह एक बड़ा मुद्दा है। ये केस भविष्य में ऐसे सभी मामलों के लिए मिसाल कायम करेगा। जनता देख रही है और हम जो संदेश दे रहे हैं वह महत्वपूर्ण है। इसलिए, जल्दबाजी में आरोपपत्र दाखिल न करें। अभी भी समय है। जनता के दबाव में न आएं। आरोपपत्र दाखिल करने से पहले जांच ठीक से होनी चाहिए। आरोपपत्र दाखिल करने से पहले, सुनिश्चित करें कि सब कुछ ठीक है। एक मजबूत मामला बनाएं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।

प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569